पटना ● शुक्रवार, 24 मई 2024 | मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 | वर्षः 5, अंकः136 | www. bordernewsmirror@gmail.com | 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

मोतिहारी लोकसभा का चुनाव... 3 | www. bordernewsmirror.com | अदिति राव ने सुनाया फिल्म... 8

चिदंबरम बोले-सरकारी नीति की आलोचना विपक्ष का अधिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने 22 मई को कांग्रेस अध्यक्ष को नोटिस भेजा है। जिसमें निर्देश दिया है कि उनकी पार्टी अग्निवीर योजना जैसे मामलों पर सेना का राजनीतिकरण न करे। इस निर्देश के एक दिन बाद सीनियर कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने कहा कि चुनाव आयोग

का यह निर्देश गलत है। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा- एक नागरिक के तौर पर यह कहना मेरा अधिकार है कि चुनाव आयोग का कांग्रेस को अग्निवीर योजना का राजनीतिकरण न करने का निर्देश देना गलत है। राजनीतिकरण का क्या मतलब है। क्या इसका मतलब आलोचना है। ईसी ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को भी नोटिस भेजा है। आयोग ने दोनों पार्टियों के अध्यक्षों और स्टार प्रचारकों से अपने भाषण को सही करने, सावधानी बरतने और मर्यादा बनाए रखने के लिए कहा है। कांग्रेस के नेता अपने भाषणों में अग्निवीर स्कीम की बात करते हैं।

नहीं थम रहा बम की धमकियों का सिलसिला

● दिल्ली के बाद अब बेंगलुरु के होटलों को उड़ाने का ईमेल

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के तीन पांच सितारा होटलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली लेकिन जांच के बाद यह फर्जी निकली। खास बात है कि यह मामला ऐसे समय पर सामने आया है, जब शहर के ही रामेश्वरम ब्लास्ट की जांच जारी है। इसके अलावा एक दिन पहले ही नॉर्थ ब्लॉक को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, जो जांच के बाद अफवाह निकली।

पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि बेंगलुरु के तीन होटलों को उड़ान की धमकी मिली थी, जिसके बाद जांच में यह फर्जी निकली। उन्होंने बताया कि होटलों को कथित रूप से ईमेल से धमकी मिली है जिसके बाद व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया और धमकी फर्जी साबित हुई। नॉर्थ ब्लॉक को बुधवार को बम से उड़ाने की धमकी कुछ भी संदिग्ध नहीं मिलने के बाद अफवाह घोषित कर दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अब ताइवान को 'निगलने' की तैयारी कर रहा ड्रैगन!

● चीन की सेनाओं ने शुरू किया 'दंड अभ्यास', भड़केगी आग

ताइपे (एजेंसी)। ताइवान में नए राष्ट्रपति के रुप में लाई चिंग-ते के सत्ता में आते ही चीन पूरी तरह से बौखला उठा है। सोमवार को लाई ने ताइवान की कमान संभाली और गुरुवार को ही चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने चीनी सेना को ताइवान के चारों लगा दिया। दरअसल चीन की सेना ने बृहस्पतिवार को ताइवान के चारों तरफ दो दिवसीय व्यापक

दंड अभ्यास शुरू किया। इसमें उसकी सेना, नौसेना, वायु सेना और रॉकेट बल भाग ले रहे हैं। यह सैन्य अभ्यास दो दिनों तक चलेगा। इस अभ्यास को जॉइंट सोर्ट 2024 नाम दिया गया है। चीन ने यह अभ्यास ऐसे वक्त में किया है जब स्व-शासित द्वीप ताइवान के नए राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने देश पर चीन की संप्रभुता के दावे को अस्वीकार किया है। ताइवान एशिया के पूर्वी हिस्से में आता है।

चुनाव आयोग बूथ वार वोटिंग डेटा देने के खिलाफ

● सुप्रीम कोर्ट में कहा-इसमें बैलेट पेपर के आंकड़े भी होंगे, इससे वोटर्स में भ्रम फैलेगा ● चुनाव आयोग बोला-चुनाव प्रक्रिया को लेकर संदेह पैदा करने का अभियान चल रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने चुनाव के 48 घंटे के भीतर बूथ वार वोटिंग का डेटा सार्वजनिक करने की मांग का विरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल एफिडेविट में आयोग ने बुधवार को कहा, फॉर्म 17सी (हर मतदान केंद्र पर डाले गए वोटों का रिकॉर्ड) के आधार पर वोटिंग डेटा का खुलासा करने से मतदाताओं के बीच भ्रम पैदा होगा, क्योंकि इसमें बैलेट पेपर की गिनती भी शामिल होगी। आयोग ने कहा, ऐसा कोई कानून नहीं है, जिसके आधार पर सभी मतदान केंद्रों का फाइनल वोटिंग डेटा जारी करने के लिए कहा जा सके। फॉर्म 17सी केवल पोलिंग एजेंट को दे सकते हैं। इसे किसी अन्य व्यक्ति या संस्था को देने की अनुमति नहीं है। फॉर्म 17सी वह प्रमाण पत्र है, जिसे पीठासीन अधिकारी सभी प्रत्याशियों को प्रमाणित करके देता है। चुनाव आयोग ने कहा, कई बार जीत-हार का अंतर नजदीकी होता है। आम वोटर फॉर्म 17सी के अनुसार बूथ पर पड़े कुल वोटों और

बैलेट पेपर को आसानी से नहीं समझ सकते। ऐसे में इसका इस्तेमाल गलत तरीके से चुनावी प्रक्रिया पर कलंक लगाने के लिए किया जा सकता है, जिससे मौजूदा चुनाव में अव्यवस्था फैल सकती है। दरअसल, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका लगाई है। इसमें वोटिंग के 48 घंटे के भीतर सभी बूथ का फाइनल डेटा आयोग के वेबसाइट पर जारी करने की मांग की गई है।

एडीआर ने चुनाव आयोग पर लोकसभा चुनाव के पहले दो चरणों में वोटिंग पर्सेंट जारी करने में देरी का आरोप लगाया। याचिका में कहा गया कि पहले तो डेटा जारी करने में देरी हुई। इसके बाद शुरुआती डेटा के मुकाबले फाइनल डेटा में वोटिंग पर्सेंट काफी बढ़ गया। याचिका के मुताबिक, चुनाव आयोग ने 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के 11 दिन बाद और 26 अप्रैल को दूसरे चरण के मतदान के चार दिन बाद 30 अप्रैल को फाइनल वोटिंग पर्सेंट जारी किया था। इसमें वोटिंग के दिन जारी शुरुआती आंकड़े के मुकाबले वोटिंग पर्सेंट लगभग 5-6 प्रतिशत ज्यादा था। सुप्रीम कोर्ट ने 17 मई को एडीआर की याचिका पर सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग से एक हफ्ते में जवाब मांगा था। बुधवार (22 मई) को आयोग ने कहा, चुनाव प्रक्रिया को लेकर भ्रामक दावों और निराधार आरोपों से संदेह पैदा करने का अभियान चल रहा है। इसे समझना होगा। सच सामने आने तक नुकसान हो चुका होगा।

चाबहार 'डील' पर छाया अमरीकी प्रतिबंध का साया!

भौगोलिक दृष्टि से भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है यह बंदरगाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के चाबहार बंदरगाह को लेकर भारत उत्सुक है। ईरान ने अगले 10 साल के लिए चाबहार बंदरगाह को भारत को सौंप दिया है। जहाजरानी और बंदरगाह मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोमवार को ईरान में चाबहार बंदरगाह पर ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर हस्ताक्षर होते ही भारत को पहली बार विदेशी बंदरगाह संचालित करने का अवसर मिला। 2015 से ही चाबहार के शाहिद बहिश्ती बंदरगाह के उपयोग के लिए भारत-ईरान समझौते में हर साल नए आयाम जुड़ते गए। नए समझौते के परिणामस्वरूप, भारत को लगातार 10 वर्षों तक बंदरगाह का प्रबंधन मिला है। चाबहार बंदरगाह भौगोलिक दृष्टि से

बहुत महत्वपूर्ण है। चाबहार का निकटतम बंदरगाह गुजरात में कांडला है। जिसकी दूरी 550 समुद्री मील है। मुंबई से चाबहार की दूरी 786 समुद्री मील है। यह बंदरगाह भारत, पश्चिम एशिया, यूरेशिया के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने और परिवहन लागत और समय को कम करने का केंद्र बन सकता है। चाबहार पर नियंत्रण पाने से भारत अफगानिस्तान, ईरान और रूस के माध्यम से जलमार्ग परिवहन पर अपनी पकड़ बना सकता है।

टिकट कटने के बाद पहली बार चुनाव प्रचार में वरुण

● मां की सीट सुल्तानपुर में कहा-हमारी किसी से कोई दुश्मनी नहीं, कोई गुस्सा नहीं

सुल्तानपुर (एजेंसी)। पीलीभीत से टिकट कटने के बाद पहली बार भाजपा सांसद वरुण गांधी चुनावी मैदान में नजर आए। वह गुरुवार को मां मेनका गांधी की सीट सुल्तानपुर पहुंचे। यहां प्रचार का आज आखिरी दिन है। जनसभा में उन्होंने कहा- हमारी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। न कोई गुस्सा। तीन बार के सांसद वरुण ने पूरे चुनाव से दूरी बना रखी थी। उन्होंने एक भी रैली नहीं की। न ही कोई बयान दिया। टिकट कटने के बाद एक भी बार पीलीभीत नहीं गए। 27 मार्च को भाजपा ने पीलीभीत से वरुण का टिकट काटकर योगी सरकार में मंत्री जितिन प्रसाद को दिया था। 28 मार्च को वरुण ने पीलीभीत के नाम पत्र लिखा था। कहा था-मैं आम आदमी के लिए राजनीति में आया हूं। यह मैं करता रहूंगा, भले ही उसकी कोई भी कीमत चुकानी पड़े। वरुण ने कहा-आज मुझे लग रहा है कि मैं अपनी मां की भूमि में आया हूं।

सेना की अग्निपथ योजना में हो सकते हैं बड़े बदलाव

● अग्निवीरों पर आंतरिक सर्वे करा रही है सेना, पूछे जा रहे 10 सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सैन्य सेवाओं में भर्ती की नई व्यवस्था अग्निपथ योजना में बदलाव हो सकते हैं। हालांकि, इसे लेकर सरकार या सेना की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। खबरें हैं कि सेना एक आंतरिक सर्वे करा रही है, जिसमें अग्निवीरों से जुड़े सवाल पूछे जा रहे हैं। इसका मकसद भर्ती प्रक्रिया पर योजना के असर को जानना है। संभावनाएं हैं कि सर्वे इस महीने के अंत तक खत्म हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, सेना एक आंतरिक सर्वे करा रही है, जिससे मिलने वाली जानकारी के आधार पर आने वाली सरकार के सामने योजना में कुछ बदलाव की सिफारिशें की जा सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों का कहना है कि सेना के

सर्वे में अग्निवीरों, भर्ती और ट्रेनिंग स्टाफ समेत सभी हितधारकों से कुछ जानकारियां मांगी गई हैं। इस महीने के अंत तक डेटा जुटाया जाएगा।

मौसम का 'हीट' आतंक, आसमान से बरस रही आग

● दिल्ली और यूपी समेत कई राज्यों में हालात खराब, रेड अलर्ट जारी ● 45 से 48 डिग्री तक पहुंचा पारा, राजस्थान व एमपी में जीना मुहाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली, एनसीआर और यूपी समेत देश के अधिकांश हिस्से भीषण गर्मी की चपेट में हैं। मौसम विभाग ने अभी और कुछ दिन भयंकर गर्मी और लू की भविष्यववाणी की है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले चार से पांच दिन गर्मी से राहत के संकेत नहीं दिए हैं। उधर, दक्षिण भारतीय राज्य केरल में भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। यहां भारी वर्षा के चलते कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। बुधवार को भी देश के अधिकांश हिस्सों में झुलसा देने वाली गर्मी का सिलसिला जारी रहा। राजस्थान के बाड़मेर में पारा 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो इस साल अब तक का सबसे अधिक तापमान है। आईएमडी ने अपने ताजा बुलेटिन में चेतावनी दी है कि 26 अप्रैल तक पूर्वी और पश्चिमी राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में गंभीर लू चलने की संभावना है। दिल्ली और मध्य प्रदेश में भी 26 अप्रैल तक भीषण गर्मी जारी

रहेगी। गुरुवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा, जो औसत से तीन डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान 30.9 डिग्री रहने की संभावना है, जो सामान्य से चार डिग्री अधिक है। भीषण गर्मी के चलते दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश में कम से कम 24 स्थानों पर बुधवार को अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर दर्ज किया गया। सबसे अधिक अधिकतम तापमान राजस्थान के बाड़मेर में 48 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हरियाणा का सिरसा 47.7 डिग्री के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसके बाद पंजाब के भटिंडा में रिकॉर्ड 46.6 डिग्री पारा दर्ज किया गया।

4 जून को रिकॉर्ड बनाएगा बाजार इकोनॉमी में लोगों को भरोसा

पीएम बोले-10 साल में डीमैट अकाउंट 2.3 करोड़ से 15 करोड़ हुए

मुंबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक अंग्रेजी अखबार को दिए एक इंटरव्यू में कहा, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि 4 जून को, जैसे ही बीजेपी रिकॉर्ड संख्या को छुएगी, शेयर बाजार भी नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच जाएगा। इस बयान का पॉजीटिव असर बाजार पर दिख रहा है। मोदी ने कहा- शेयर बाजार का हम पर जो भरोसा है, वह पिछले दशक के उसके प्रदर्शन से स्पष्ट है। जब हमने कार्यभार संभाला तो सेंसेक्स 25,000 अंक के आसपास था। आज, यह लगभग 75,000 अंक पर है। हाल ही में, हम पहली बार 5 ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप तक पहुंचे। पीएम मोदी इस बयान का बाजार पर भी असर दिख रहा है। बाजार सुबह फ्लैट खुला था, लेकिन अब ये ऑल टाइम हाई पर है। सेंसेक्स ने 75,407 का हाई बनाया है। वहीं निफ्टी ने 22,959 का लेवल छुआ। सेंसेक्स अभी 1000 पॉइंट से ज्यादा कि तेजी के साथ 75,200 के स्तर पर है। पिछले 10 साल और भाजपा सरकार के दो कार्यकालों के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, यदि आप सिर्फ डीमैट अकाउंट की संख्या पर नजर डालें, तो आप समझ जाएंगे कि नागरिकों ने भारतीय अर्थव्यवस्था में कैसे

विश्वास दिखाना शुरू कर दिया है। डीमैट खातों की संख्या 2.3 करोड़ से बढ़कर अब 15 करोड़ से अधिक हो गई है। म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या 1 करोड़ से बढ़कर 4.5 करोड़ हो गई है।

रेलवे ने अपने लाखों कर्मचारियों की अब ली सुध

कई फैसिलिटी बढ़ाई, प्रमोशन देने की भी है तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेल में प्रतिदिन 22,000 हजार से अधिक यात्री ट्रेनें व मालगाड़ियों के सुरक्षित परिचालन की जिम्मेदारी निभा रहे लाखों रेल संरक्षा कर्मियों को समय पर सुरक्षा उपकरण व वर्दी मिलेगी। रेलवे बोर्ड ने इस बाबत नए आदेश जारी किए हैं। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कई जोन में रेल संरक्षा कर्मियों गेटमैन, प्वाइंटमैन, केबिनमैन, लीवरमैन आदि को समय पर वर्दी-सुरक्षा उपकरण नहीं उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसको लेकर रेलवे बोर्ड ने उक्त संरक्षा कर्मियों (शंटिंग स्टाफ) को सुरक्षा उपकरण व वर्दी वितरित करने के आदेश जारी किए हैं। इसमें वॉटरप्रूफ रेनकोट के लिए सालाना 1200 रुपये, सर्दियों में जैकेट के लिए दो साल में 2500 रुपये मिलेंगे। वैकल्पिक व्यवस्था के तहत जैकेट, ट्राउजर, दस्ताने, स्नो बूट, कैप आदि के लिए 10,000 रुपये का प्रावधान किया।

जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना की और ज्यादा बढ़ेंगी मुश्किलें

बेंगलुरु (एजेंसी)। हजारों महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोप झेल रहे सांसद प्रज्वल रेवन्ना की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। नेता को पहले ही जेडीएस पार्टी से निलंबित कर चुकी है और कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार द्वारा गठित एसआईटी उनके खिलाफ जांच कर रही है। अब

कांग्रेस सरकार ने मोदी सरकार को पत्र लिखकर रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने की मांग की है। सूत्रों के अनुसार, विदेश मंत्रालय सिद्धारमैया सरकार के अनुरोध पर विचार कर रहा है। मामले की जानकारी रखने वालों लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि प्रज्वल रेवन्ना का पासपोर्ट रद्द करने की मांग करने वाला कर्नाटक सरकार का पत्र मंगलवार को विदेश मंत्रालय को मिल गया है। हालांकि यह जानकारी नहीं मिल पाई है कि पासपोर्ट रद्द करने की प्रक्रिया में कितना समय लगेगा। इस मामले में कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर का कहना है कि राज्य सरकार ने केंद्र से हासन से सांसद रेवन्ना का

● ऐक्शन ले सकता है विदेश मंत्रालय, सिद्धारमैया सरकार ने भेजा था लेटर

राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने का आग्रह किया है। रेवन्ना जेडीएस प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं। इससे पहले 2 मई को विदेश मंत्रालय ने स्वीकार किया था कि रेवन्ना ने राजनयिक पासपोर्ट पर जर्मनी की यात्रा की। हालांकि अधिकारियों के अनुसार, रेवन्ना को वीजा उपलब्ध कराने में विदेश मंत्रालय की कोई भूमिका नहीं थी।

संक्षिप्त समाचार

नालंदा में शादी के 1 महीने बाद महिला की हत्या

नालंदा, एजेंसी। नालंदा के बेन थाना क्षेत्र के धरनी धाम गांव में मंगलवार को नव विवाहिता की हत्या ससुराल परिवार द्वारा कर दी गई थी। मृतका चुन्नू कुमार की पत्नी काजल कुमारी(20) थी। एक महीना पहले ही काजल की शादी चुन्नू से हुई थी। परवलपुर थाना क्षेत्र के बदौनी गांव निवासी काजल कुमारी के मायके वाले ने पति समेत 8 लोगों के खिलाफ दहेज के कारण हत्या का आरोप लगाया है। जिसमें यह बताया गया है कि मोटरसाइकिल और सोने की चेन ससुराल परिवार द्वारा मांगा जा रहा था। इसकी वजह से गला घोंट पति समेत अन्य लोगों ने हत्या कर दी। वहीं, इस मामले में बेन थानाध्यक्ष विकेश कुमार ने बताया कि मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष के 8 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। दहेज हत्या का आरोप लगाया गया है। घर के सभी सदस्य फरार हैं। जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। दरअसल, एक महीना पहले ही 21 अप्रैल को काजल की शादी चुन्नू से हुई थी। उस क्त भी हैसियत के हिसाब से सारा सामान और पैसा मायके वालों द्वारा दिया गया था। मायके वालों ने आरोप लगाया था कि चुन्नू किसी लड़की से बात किया करता था। इसका विरोध करने पर काजल को प्रताड़ित और मारपीट किया जाता था। इसके विरोध पर उसकी हत्या की गई।

एसकेएमसीएच- आपत्तिजनक स्थिति में धराए दो कर्मी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। एसकेएमसीएच में मंगलवार की रात दो कर्मियों को लोगों ने आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ गार्ड को सूचना दी। बात फैली तो मामला अस्पताल प्रबंधन के पास पहुंच गया। पहली घटना में ब्लड बैंक में पारा मेडिकल कर्मी एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े गए। वहीं, कोविड आईसीयू में मरीज के परिजनों ने एक फोर्थ ग्रेड कर्मी को युवती के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा। लोगों ने दोनों को गार्ड के हवाले कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, अस्पताल प्रबंधन के लोगों ने दोनों को चेतावनी दी है। हालांकि प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों ने ऐसी घटना की जानकारी होने से इंकार किया है।

गंगा दशहरा 16 जून को

भागलपुर, एजेंसी। गंगा दशहरा 16 जून को है। इस दिन रवि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग भी बन रहा है। इस दौरान पूजा-पाठ व स्नान-दान के लिए सबसे शुभ समय माना जाता है। जगन्नाथ मंदिर के पंडित सौरभ कुमार मिश्रा ने बताया कि गंगा दशहरा के दिन पवित्र स्नान के लिए ब्रह्म मुहूर्त का समय सबसे उत्तम माना जाता है। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:03 से सुबह 4:45 के बीच रहेगा। गंगा दशहरा के दिन गंगा मैया की पूजा की जाती है। गंगा नदी में स्नान करने से जाने-अनजाने में किए गए पापों से भी छुटकारा मिलता है।

बुद्ध पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने किया गंगा स्नान

भागलपुर, एजेंसी। बुद्ध पूर्णिमा गुरुवार को है। हालांकि पूर्णिमा का प्रवेश बुधवार को कर गया था। पूर्णिमा के दिन सुबह गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। संकट मोचन दरबार के पंडित चंद्रशेखर झा ने बताया कि पूर्णिमा को लेकर श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। इस दौरान गंगा मैया की पूजा कर लोगों ने अपने-अपने पितरों को भी जल अर्पण किये। हिंदू मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने अपना 9वां अवतार बुद्ध के रूप में लिया था। बुद्ध पूर्णिमा के दिन बुद्ध का जन्म, ज्ञान व मोक्ष की प्राप्ति हुई थी।

सीनियर डी सी एम ने अमृत भारत स्टेशन का लिया जायजा

सुल्तानगंज, एजेंसी। प्रखंड की ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बुधवार को महर्षि मेंहीं महाराज की जयंती समारोह पूर्वक मनायी गयी। इस अवसर पर जगह-जगह पर शोभा यात्रा निकाली गई। इधर शहर स्थित सत्संग भवन में आयोजित कार्यक्रम में रघुनंदन बाबा ने प्रवचन किया। प्रखंड के पैन, अबजूगंज, बैकुंठपुर, मिरहट्टी, गनगनियां आदि जगहों पर शोभायात्रा निकाले जाने के बाद प्रातः कालीन स्तुति विनती सत्संग प्रवचन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

छपरा बवाल मामले में रोहिणी आचार्य पर केस दर्ज

मारपीट, बूथ लूटने और हत्या की कोशिश की धाराएं लगीं

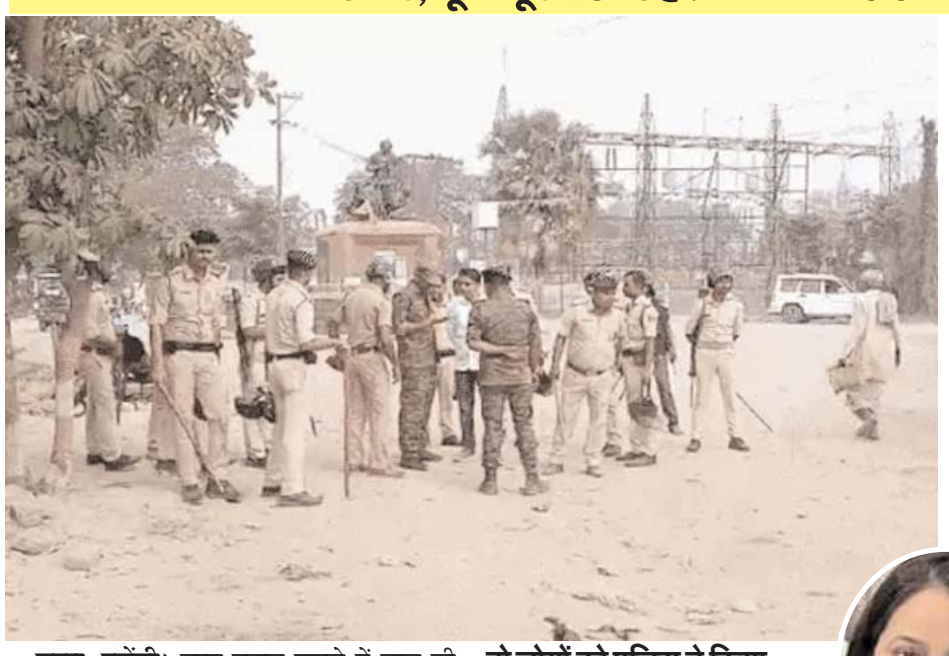

छपरा, एजेंसी। छपरा बवाल मामले में लालू की बेटी रोहिणी आचार्य पर केस दर्ज किया गया है। बीजेपी कार्यकर्ता मनोज सिंह ने राजद उम्मीदवार डॉ रोहिणी आचार्य पर बूथ- 318 बड़ा तेलपा में मारपीट, बूथ लूटने और हत्या की कोशिश करने की धाराओं में नगर थाने में केस दर्ज कराया है। ये सभी गैर जमानती धाराएं हैं। इधर, छपरा के भिखारी ठाकुर चौक पर आज भी पुलिस की भारी तैनाती है। आम जनजीवन सामान्य हो रहा है। घटनास्थल और पीड़ित परिवार के गांव की ओर जानेवाले रास्ते पर लोगों की सघन जांच के बाद जाने दिया जा रहा है। छपरा एसपी गौरव मंगला ने बताया कि मामले में 3 एफआईआर दर्ज की गई हैं। हालांकि, आज भी शहर में इंटरनेट सेवा बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। पहला मृतक चंदन कुमार के परिवार के बयान पर दर्ज किया गया है। दूसरा एफआईआर रोड़ेबाजी और मारपीट को लेकर हुआ है। तीसरा एफआईआर सोशल मीडिया में भड़काऊ पोस्ट को लेकर किया गया है। हत्या के मामले में 12 लोगों को नामजद करते हुए 50 अज्ञात को आरोपी बनाया गया है।

दो लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

इनमें से पुलिस ने 2 लोगों रामाकांत सिंह(62) और रविकांत सिंह(47) को अरेस्ट किया है। दोनों ही तेलपा इलाके के रहनेवाले हैं। उनके पास से लाइसेंसी राइफल और जिंदा गोली भी जब्त हुई है। घटनास्थल से खोखे भी जब्त हुए हैं। एफएसएल की टीम ने भी घटनास्थल की जांच की है।

दरअसल, छपरा में आरजेडी और बीजेपी समर्थकों के बीच झड़प में एक युवक की मौत हो गई है। जबकि, दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटनास्थल से 5 किलोमीटर एरिया पुलिस छावनी में तब्दील हो चुका है। पैरा मिलिट्री बल को भी सुरक्षा में लगाया गया है। शहर में सभी आने जाने वाले लोगों पर नजर रखी जा रही है। एसपी ने बताया कि यहां पर अबतक मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की घटना को लेकर मंगलवार की सुबह पहले 2 लोगों के बीच बहस हुई थी। दोनों ने ही अपने-अपने साथ के लोगों को बुलाया, जिनके बीच रोड़ेबाजी और बाद में फायरिंग हुई। पुलिस की विफलता के सवाल पर एसपी ने कहा कि सोमवार की घटना के बाद हम सतर्क थे। पुलिस टीम ने गश्ती भी की थी लेकिन मंगलवार को अचानक बड़ी संख्या में लोग आ गए, जिससे यह घटना हुई। घटनास्थल पर पुलिस टीम की शिफ्ट बदलने में लापरवाही हुई थी। घटना के तुरंत पहले ड्यूटी पर रहे पुलिसकर्मी रिलीव हुए थे, उनका रिप्लेसमेंट समय से नहीं आ सका था। इसके लिए नगर थानाध्यक्ष पर कार्रवाई भी हुई है। उनकी जगह नए अधिकारी के लिए चुनाव आयोग को लिखा गया है।

दूसरे दिन भी इंटरनेट पर रोक

पुलिस की टीम शहर के चप्पे-चप्पे में पेट्रोलिंग कर रही है। हालांकि सारण जिले में धारा 144 अभी लागू नहीं है बस मुस्तैदी बढ़ा दी गई है। पुलिस मुख्यालय से आदेश मिलने के बाद पूरे जिले में 23 मई की रात नौ बजे तक इंटरनेट सेवा पर पूरी तरह से रोक लगी हुई है। इंटरनेट से अफवाह ना फैले इसलिए इसे बैन किया गया है। पीड़ित परिवार के लोग दोषियों की गिरफ्तारी को लेकर मांग कर रहे हैं। हालांकि, मामले में छपरा नगर थानेदार अश्विनी तिवारी को लाइन हाजिर कर दिया गया है। नगर थाने में गोलीबारी और हत्या को लेकर पीड़ित पक्ष ने आवेदन भी दिया है। जल्द ही FIR की प्रक्रिया पूरी होने की भी बात कही जा रही है। मौके पर CISF, CRPF, RAF के साथ ही जिला पुलिस के जवान तैनात हैं। फिलहाल स्थिति समान्य है। वहीं, दो घायलों में से एक के कोमा में चले जाने की बात सामने आई है।

कई राउंड गोली चलाई गई

मामले को लेकर एसपी गौरव मंगला ने बताया कि कल वोटिंग के दौरान बीजेपी और आरजेडी समर्थकों में झड़प हुई थी। आज उसी की प्रतिक्रिया में फायरिंग हुई है। सारण के डीएम अमन समीर ने मौत की बात स्वीकार की है। कई राउंड गोली चलाई गई है। कल रोहिणी आचार्य के बूथ संख्या 318-319 पर आने पर चुनाव के दौरान तनाव बढ़ा था। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच पत्थरबाजी भी हुई थी।

सम्राट बोले- रोहिणी के साथ घूमने वाले पुलिसबल की भी जांच होगी

छपरा कांड पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा है कि रोहिणी आचार्य के साथ घूमने वाले पुलिस बल की जांच होगी। जांच के बाद पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी। लालू और राबड़ी के अंगरक्षक रोहिणी के साथ कैसे घूम रहे थे। पूरे मामले की जांच की जाएगी और कार्रवाई होगी। सम्राट ने कहा कि रोहिणी ने बूथ पर लोगों को भड़काने का काम किया है। वहीं, मीसा भारती पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि वो पाटलिपुत्र में पुलिस बल लेकर घूम रही हैं। किस हैसियत से पुलिस बल लेकर घूम रही हैं। पूरे मामले की जांच की जाएगी।

घायलों से मिले पप्पू यादव

छपरा गोलीकांड में घायल लोगों से पूर्व सांसद पप्पू यादव ने पीएमसीएच में मुलाकात की। इसके बाद घायलों की स्थिति के संबंध में डॉक्टरों से भी बात की। पप्पू यादव ने कहा कि चुनाव के दौरान हिंसा होना बहुत गलत है। प्रशासन को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। जल्द से जल्द उपद्रवियों की गिरफ्तारी होनी चाहिए।

क्या है पूरा मामला

20 मई को पांचवें चरण के मतदान के दौरान छपरा के मुफस्सिल थाने में दो गुटों के बीच जमकर पत्थरबाजी और मारपीट का मामला सामने आया। बताया जा रहा है कि मतदान के अंतिम समय में राजद प्रत्याशी रोहिणी आचार्य तेलपा के बूथ पहुंची थीं। किसी बात को लेकर रोहिणी समर्थक और स्थानीय लोगों में झड़प हो गई। इसके बाद दोनों एक-दूसरे पर टूट पड़े। दोनों गुट बीजेपी और राजद समर्थक बताया जा रहे हैं। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तेलपा की है।

घायलों का इलाज जारी

वहीं, मंगलवार सुबह मुफस्सिल थाने के तेलपा भिखारी चौक के पास फायरिंग हुई। इसमें मारे गए युवक की पहचान चंदन राय के रूप में हुई है। जबकि, घायलों की पहचान गुड्डू राय, मनोज राय के रूप में हुई है। घायलों का इलाज पटना के पीएमसीएच में हो रहा है।

दो पक्षों की बीच मारपीट में सात लोग जख्मी

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के रतन दांडी गांव में बुधवार को गाली-गलौज के विरोध पर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। जिसमें दोनों पक्षों से 7 लोग जख्मी हो गए। इसके बाद जख्मियों में एक पक्ष के आधा दर्जन लोगों को इलाज के लिए जगदीशपुर अनुमंडलीय अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। जख्मियों में एक पक्ष से जगदीशपुर थाना क्षेत्र के रतनदंडी गांव निवासी बिरजा सिंह, दुर्गा सिंह, रामेश्वर सिंह, मानती देवी, मनन यादव, विंध्याचल यादव और दूसरे पक्ष से एक अन्य व्यक्ति जख्मी है। जख्मी मनन यादव ने बताया कि मंगलवार की शाम उनके पट्टीदार से मामूली विवाद को लेकर कहासुनी हुई थी। हालांकि बात खत्म हो गई थी। बुधवार को गांव के ही कुछ लोग उनके दरवाजे पर आकर गाली-गलौज करने लगे।जब वे लोग उनके घर पर पूछताछ करने गए तो लाठी-डंडों से जमकर सभी लोगों की पिटाई कर दी गई। मारपीट के दौरान दूसरे पक्ष के भी एक व्यक्ति जख्मी हो गए। इसके बाद उनके पक्ष के सभी लोगों को इलाज के लिए जगदीश अनुमंडलीय अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहीं, दूसरी ओर जख्मी मनन यादव ने गाली-गलौज का विरोध करने पर सभी लोगों की लाठी-डंडों से पीटकर जख्मी करने का आरोप लगाया है।

चित्रकला के जरिए मगध के पौराणिक महत्व को दर्शाया

गया, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर संग्रहालय सप्ताह का आयोजन 18 से 24 मई तक संचालित है। इस मौके पर गया संग्रहालय में बच्चों ने चित्रकारी की। इस कला के जरिए मगध के पौराणिक महत्व को दर्शाया गया। चित्रांकन प्रतियोगिता का विषय था ÷आपकी विरासत÷। इस मौके पर बच्चों ने संग्रहालय में प्रदर्शित कलाकृतियां, गांधी मंडप, महाबोधि मंदिर, विष्णु पद मंदिर, मां मंगला गौरी मंदिर , ब्रह्मयोनि पर्वत, सीताकुंड आदि के चित्र बनाए। प्रतियोगिता में स्थानीय रामचंद्र सिंह बनमली बाबा कन्या उच्च प्लस टू विद्यालय, चित्रगुप्त मध्य विद्यालय , मध्य विद्यालय भारत सेवा आश्रम संघ, हरिदास सेमीनरी उच्च विद्यालय, जिला स्कूल प्लस टू विद्यालय, विराजमोहिनी कन्या मध्य विद्यालय, न्यू हाई स्कूल गया के अलावे भी कई स्कूलों के छात्रों में भाग लिया। इस अवसर पर रंगकर्मी शम्भू सुमन, संग्रहालय अध्यक्ष अरविंद महाजन, शिक्षक राजेश कुमार आदि उपस्थित थे।

इस साल बारिश में नहीं डूबेगा पटना नगर निगम ने 24 इंजीनियरों को दी यह ड्यूटी

पटना, एजेंसी। पिछले कई सालों से बारिश के मौसम में बिहार की राजधानी पटना में जलजमाव से तबाही आ जाती है। पटना शहर में अब जलजमाव की स्थिति नहीं हो इसीलिए सभी ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन (डीपीएस) पर कर्मचारियों की बजाय 24 अभियंताओं की तैनाती की गई है। इस संबंध में बुडको के प्रबंध निदेशक की ओर से पत्र भी जारी कर दिया गया है। सभी अभियंता जून में अपने-अपने प्रभार में मिले डीपीएस पर निगरानी रखेंगे। नगर निगम क्षेत्र में कुल 39 ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन हैं, जिससे बरसात के दिनों में जल निकासी की जाती है। इसमें अजीमाबाद अंचल में 6 डीपीएस हैं यहां चार अभियंताओं की तैनाती की गई है। इसी प्रकार कंकड़बाग अंचल क्षेत्र में 6 डीपीएस पर तीन अभियंता, बांकीपुर अंचल में 6 डीपीएस पर चार अभियंता, पाटलिपुत्र अंचल में 6 डीपीएस पर पांच अभियंता, नूतन राजधानी अंचल क्षेत्र में 11 डीपीएस पर छह अभियंता तथा दानापुर नगर परिषद क्षेत्र में चार डीपीएस पर दो अभियंता की तैनाती की गई है।

ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन पर कनीय अभियंता और सहायक अभियंता की तैनाती की गई है। प्रबंध निदेशक द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि सभी अभियंता अभी से ही बिजली विभाग के संबंधित अधिकारियों से संपर्क स्थापित करेंगे। इससे बारिश के दिनों में ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन पर किसी प्रकार की विद्युत आपूर्ति में व्यवधान नहीं होगी। जिन पंपिंग स्टेशन पर तकनीकी गड़बड़ी है उसे अभी ही ठीक करने तथा पहली जून से देखरेख करना शुरू करना होगा। अधिक बरसात होने पर भी सभी ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन से पानी की जल्दी निकासी हो सके इसकी पूरी व्यवस्था रखने को कहा गया है। बारिश के दिनों में संप हाउस के संचालन में किसी प्रकार की लापरवाही में वहां के कर्मचारी नहीं बल्कि तकनीकी अधिकारी-अभियंता जिम्मेदार होंगे। 2019 में पटना शहर में भारी जल जमाव हो गया था। जब इसके कारणों का पता लगाया गया था तो जानकारी मिली कि भारी बारिश होने के बावजूद पंपिंग स्टेशन चालू नहीं हुए थे। क्योंकि वहां संप हाउसों पर अभियंताओं के बजाय चतुर्थ श्रेणी के कर्मियों की तैनाती थी। मामूली गड़बड़ी पर भी पंप बंद हो गए थे तो कई जगह कर्मचारियों द्वारा जैसे तैसे पंपिंग स्टेशन को चलाया जा रहा था। इसीलिए तकनीकी अधिकारियों को ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कार्रवाई! 10 महीने में 27 हजार शिक्षकों के खिलाफ एक्शन

पटना, एजेंसी। स्कूलों के निरीक्षण के दौरान बिना पूर्व सूचना के गायब रहने वाले 32828 शिक्षकों के वेतन कटौती की अनुशंसा हुई है। लगभग दस माह 27 हजार 22 शिक्षकों का वेतन काटा गया है। वेतन कटौती में सर्वाधिक संख्या 3884 दरभंगा जिले के शिक्षकों की है। दूसरे स्थान पर नालंदा है, जहां के तीन हजार शिक्षकों की वेतन कटौती हुई है। हालांकि, वेतन कटौती की अनुशंसा सबसे अधिक नालंदा के 3886 शिक्षकों के लिए की गयी है। सबसे कम शिवहर जिले के 57 शिक्षकों के वेतन कटे हैं। शिक्षा विभाग को जिलों से प्राप्त 16 मई तक के ये आंकड़े हैं। निरीक्षण में गायब मिलने वाले शिक्षकों का एक दिन का वेतन काटा जाता है। स्कूलों में निरीक्षण करने गये पदाधिकारी इसकी रिपोर्ट जिले को देते हैं। एक जुलाई, 2023 से नियमित स्कूलों का निरीक्षण किया जा रहा है।

सारण जिले के 1677 शिक्षकों का वेतन कटा : दरभंगा और नालंदा के बाद सबसे अधिक 1677 शिक्षकों का वेतन सारण जिले में कटा है। औरंगाबाद में 1332, भागलपुर के 1132, नवादा के 1048, सुपौल के 994, पूर्वी चंपारण के 921, अररिया के 918, मधुबनी के 888, समस्तीपुर में 775, बेगूसराय में 756 तथा सीतामढ़ी के 715 वेतन कटा है।

फरवरी से वेतन के इंतजार में कॉलेजों के शिक्षक : हैरानी की बात है किए ओर प्राथमिक शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई कर उनका वेतन काटा जा रहा है वहीं विश्वविद्यालय के शिक्षक वेतन के इंतजार में हैं। हाल में शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालयों के वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट को स्वीकृति देने की कार्रवाई करने के पहले इसकी समीक्षा करने का निर्णय लिया है। इसको लेकर 29 मई तक अलग-अलग विश्वविद्यालयों के प्रस्तावित बजट की समीक्षा विभाग करेगा। इसके बाद ही वेतन-पेंशन राशि जारी करने की तैयारी है। ज्यादातर विश्वविद्यालयों में फरवरी माह से ही वेतन भुगतान नहीं हुआ है। शिक्षा विभाग की ओर से फरवरी, 2024 के बाद से वेतन और पेंशन मद में कोई भी राशि विश्वविद्यालयों को नहीं भेजी गयी है। वहीं, दूसरी ओर विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में बड़ी संख्या में ऐसे भी शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी हैं, जिनका वेतन जनवरी माह से ही नहीं मिला है।

भारत से बाहर जो गए वे शस्त्र नहीं शास्त्र ले गए, यह हमारी संस्कृति है: राज्यपाल

गया, एजेंसी। बुद्ध जयंती के तीन दिवसीय समारोह का राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कैंडल जलाकर शुभारंभ किया। इसी मौके पर उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध के विचारों ने कभी विश्व को युद्ध नहीं बल्कि बुद्ध दिया है। बुद्ध का संदेश करुणा-अहिंसा और शांति है। यही वजह है कि भारत से निकले हुए विचार को पूरा विश्व आत्मसात करता है। भारत जो बाहर गए वे शस्त्र लेकर नहीं बल्कि शास्त्र ले गए। यह हमारी संस्कृति का मूल आधार है। बुद्ध के विचारों के बगैर कहीं शांति सम्भव नहीं है। आज विश्व के कई देशों में उथल-पुथल और युद्ध का माहौल है। उन देशों में कुछ और नहीं बल्कि बुद्ध के संदेशों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। इस मौके पर उन्होंने महाराष्ट्र से आए बोद्ध श्रद्धालुओं की प्रसंशा की।

शोभायात्रा निकाली गई

समारोह के शुभारंभ से पहले भगवान बुद्ध की 80 फीट ऊंची प्रतिमा स्थल से शोभायात्रा निकाली गई। राज्यपाल, भिक्षु और भिक्षुणी सभी

आराधना पूजा में जुटे। इस बार भिक्षुओं से ज्यादा विभिन्न प्रांतों के श्रद्धालुओं की संख्या अधिक है। बड़ी संख्या में बौद्ध भिक्षु महाबोधि मंदिर परिसर के पवित्र बोधि वृक्ष की छांव में भगवान बुद्ध को नमन करने में लगे रहे। मुख्य पुजारी मंत्र उच्चारण करने में जुटे रहे। इस मौके पर थाईलैंड के काउंसिल जनरल भी मौजूद हैं। साथ ही जिला प्रशासन और पुलिस मौके पर मौजूद हैं। मंदिर परिसर के अंदर और बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। राज्यपाल बुधवार देर शाम से बोधगया में हैं।

शाम ढलते ही महाबोधि मंदिर परिसर का नजारा खासा अद्भुत हो जाता

कालचक्र मैदान में बौद्ध भिक्षुओं और भिक्षुणियों के बीच चीवर दान किए जाएंगे। साथ ही संघ दान (भिक्षुओं को भोजन) भी कराए जाएंगे। तीन दिवसीय समारोह में देश-विदेश के 10 हजार बौद्ध श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। अभी इनके आने का दौर जारी है। इनके ठहरने, खाने-पीने और रहने की विशेष व्यवस्था कालचक्र मैदान में की गई है। मन्दिर, मन्दिर परिसर और बोधगया को पंचशील पताकों और लाइटों से सजाया गया है। शाम ढलते ही महाबोधि मंदिर परिसर का नजारा खासा अद्भुत हो जाता है। रंगबिरंगी झिलमिल रोशनियों से महाबोधि मंदिर जगमग हो जाता है। महाबोधि मंदिर के बाहरी दीवार पर पड़ने वाली रोशनी एक तय अंतराल पर रंग बदलती है।

बौद्ध श्रद्धालुओं के आवासन की व्यवस्था

बुद्ध पूर्णिमा के दिन ही भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था। दूसरी खास बात यह कि बुद्ध पूर्णिमा को ही भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी और तीसरी महत्वपूर्ण बात बुद्ध पूर्णिमा को ही भगवान बुद्ध का महापरिनिर्वाण हुआ था। इस वर्ष 2648वां जन्म दिवस का है। ज्ञान का 2631वां वर्ष है और महापरिनिर्वाण का 2568वां साल है। कालचक्र मैदान में बौद्ध श्रद्धालुओं के आवासन की व्यवस्था की जा रही है। जर्मन टेंट लगाए गए हैं। ठंडा पानी के लिए वाटर कूलर, कूलर, पंखे और वाटर सप्लाई, बिजली, शौचालय की ठोस व्यवस्था है।

राज्यपाल के आगमन और ठहराव को लेकर सभी प्रोटोकॉल का अनुपालन : डीएम और बीटीएमसी के अध्यक्ष डॉ. त्यागराजन एसएम ने बताया कि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के आगमन पर एसएसपी आशीष भारती ने आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की है। वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रदेश के राज्यपाल के आगमन और ठहराव को लेकर सभी प्रोटोकॉल का पूर्ण अनुपालन किया जा रहा है।

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी
डॉ. मीना
MBBS,DGO, DNB, (OBG), FMAS
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

संक्षिप्त समाचार

पीओके वापस लाने के लिए चार सौ पार जाना जरूरी:मांझी

गृह राज्यमंत्री बोले धारा 370 हटाना बड़ी बात

बीएनएम। पूर्वी चंपारण। रूस-यूक्रेन वार में भारत का झंडा हाथों में लेकर भारतीयों के साथ पाकिस्तान व बांग्लादेश के छात्र भी निकल गए थे।पीएम मोदी दुनिया भर में एक अद्भुत शख्सियत बन कर उभरे हैं। पीओके को भारत मे मिलाना है तो '' अबकी बार चार सौ पार '' पर खरा उतरना होगा।उक्त बाते गुरूवार को कोटवा हाई स्कूल के खेल मैदान में चुनावी सभा को सम्बोधित करते पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कही। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में विरोधी पस्त हो चुके हैं। देश में जब तक एनडीए की सरकार रहेगी संविधान और आरक्षण को कोई छू नहीं सकता। 4 जून को एनडीए चार सौ पार जायेगा और इधर पीओके भारत मे आएगा पर उसके लिए 400 सौ से ज्यादा लोक सभा की सीटे जितने की जरूरत है। वही केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि गरीब का बेटा देश का प्रधानमंत्री बना है तो कुछ लोगों को दर्द हो रहा है। ये लोग जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाना नहीं चाहते थे। प्रधानमंत्री ने देश में 4 करोड़ लोगों को घर दिया है, आगे भी 3 करोड़ घर के लिए स्वीकृति दी गई है। 70 वर्ष से अधिक के उम्र के सभी लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिया गया है। किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए वरदान साबित हो रहा है। अपने समाज के लोगो को अपील करते हुए श्री राय ने कहा कि कुंए की तरफ नही समुंद्र के साथ होने की जरूरत है। समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने कहा कि आज घर-घर मे शौचालय,बिजली,पानी,राशन की उपलब्धता मौजूदा सरकार की देन है।

जो राम को लाएं हैं हम उनको लाएंगे : योगी आदित्यनाथ

पांच चरण के मतदान के बाद राजग बहुमत की जादुई आंकड़ा पार कर चुकी है

बीएनएम। पूर्वी चंपारण। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पश्चिमी चंपारण लोकसभा संसदीय सीट के भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि फिर से एक बार मोदी सरकार,अबकी बार चार सौ पार। जो राम को लाएं हैं हम उनको लाएंगे। पांच चरण के मतदान के बाद राजग बहुमत की जादुई आंकड़ा पार कर चुकी है। डॉक्टर संजय जयसवाल के पक्ष में सुगौली नगर के शिवालय मंदिर के नजदीक धनही के स्टेडियम में चुनावी सभा को संबोधित करते योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश मजबूत हुआ है। आज का भारत पहले वाला भारत नही है। भारत किसी को छेड़ता नही है,लेकिन कोई छेड़ता है तो उसे छोड़ता भी नहीं है। आज का भारत अपने दुश्मनों को उसके घर में घुस कर मारता है। विपक्ष के नेता पाकिस्तान के एटम बम की बात करते हैं। जब पीएम मोदी देश में दहाड़ते है तो पाकिस्तान का कलेजा कांप जाता है। इस बार एनडीए चार सौ से अधिक सीट जीतेगी। ऐसे में आप सब भी भाजपा उम्मीदवार को जिताने में सहयोग करें। मौके पर राज्यसभा सदस्य सतीश दुबे, पूर्व उपमुख्यमंत्री रेणु देवी,पूर्व मंत्री रामचन्द्र सहनी, जीवेश मिश्र,बीरेंद्र कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

बगहा-1 प्रखंड़ के सिसवा बसंतपुर पंचायत के ग्रामीणों ने वोट बहिष्कार किया

बीएनएम। पश्चिम चंपारण (बगहा)। प्रखंड बगहा एक के सिसवा बसंतपुर पंचायत के बसंतपुर गांव के चार वार्ड के मतदाताओं ने विकास नहीं होने के आरोप में गुरुवार को लोकसभा चुनाव में वोट बहिष्कार करने का निर्णय लेते हुए विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त चार वार्ड में बूथ संख्या 270 व 271 के 25 सौ मतदाता लोकतंत्र के महापर्व को बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। चुनाव बहिष्कार करने को लेकर बसंतपुर गांव के चार वार्ड में टैम्पों से व्यापक रूप से प्रचार प्रसार कराया जा रहा है। वोट बहिष्कार कर रहे प्रदर्शन कारी मजहर आलम, संतोष प्रसाद, मुस्ताक अहमद, एमामुल्लाह, मो इमरान, नंदकिशोर प्रसाद, रजनीश केसरी, ताराचंद प्रसाद, दीनानाथ ठाकुर, मो अरशद, जमीरुद्दीन समेत सैकड़ों की संख्या में लोगों ने बताया कि आजादी के वर्षों बीत जाने के बाद भी बसंतपुर गांव के चार वार्ड विकास योजना से वंचित है। सड़क में जलजमाव से आवागमन की परेशानी काफी बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि मसान नदी में पूल निर्माण कराने को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दो - दो बार आवेदन दी गई। साथ ही स्थानीय सांसद व क्षेत्रीय विधायक से मसान नदी में पूल निर्माण, बसंतपुर चौक से सिरकहिया चौक तक सडक निर्माण, स्वास्थ्य केन्द्र, नाली निर्माण कराने की मांग की गई लेकिन जनप्रतिनिधियों के द्वारा सिर्फ आश्वासन ही दिया गया। पंचायत के मुखिया पर भी उक्त चारों वार्डों के लोगों ने विकास के नाम पर अनदेखी करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मसान नदी में बाढ़ आ जाने से चार माह तक तेलपुल गांव होते हुए रामनगर की रास्ता बंद हो जाता है। वे विवश होकर 14 किमी के जगह 40 किमी की दुरी तय कर रामनगर बाजार करने जाते हैं।

मोतिहारी लोकसभा का चुनाव प्रचार खत्म, बिगनी बोली .. राधा मोहन और राजेश मे कांटे की टक्कर

- राधा मोहन के साथ -साथ उनके दरबारियों की इज्जत भी दांव पर
- करीब 20 लाख मतदाता करेंगे दोनों प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

बीएनएम। मोतिहारी। सागर सूरज

गुरुवार को चुनाव प्रचार खत्म होते ही चुनावी युद्ध का शंखनाद खत्म हो चुका है। 25 मई को दोनों ही गठबंधन के मतदाता रूपी सेना अपने –अपने प्रत्याशी को राज तिलक के मद्दे -नजर मतदान करेंगे। ऐसे मे चुनाव प्रचार खत्म होते ही बिगनी मलाहीन चुनावी सिनोरियो पर कुछ बात करने को लालायित लग रही है। वही पुरानी अंदाज उंगलियों मे बलखाती बीड़ी और लंबे कश के साथ चुनावी चर्चा। क्या लग रहा है पत्रकार साहब। क्या यह चुनाव हिंदुस्तान के अंतिम बादशाह बहादुर शाह जफ्फर के ताबूत की अंतिम कील साबित होगी या फिर जफ़र की सातवीं बार ताजपोशी। बिगनी का इशारा मोतिहारी सांसद सह भाजपा प्रत्याशी राधा मोहन सिंह की ओर था। बिगनी के इस सवाल से मै घबड़ाया नहीं बल्कि चुनावी चर्चा को लेकर खुद को तैयार कर लिया। बिगनी आम आदमी की एक प्रतीकात्मक चेहरा है, जो राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था पर अपना विचार रखती रही है। बोली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के सभी बड़े नेताओं के मोतिहारी आगमन और स्थानीय स्तर पर शहर के प्रबुद् लोगों, कुछ चर्चित चिकित्सकों और दरबारी पत्रकारों के अपने प्रोटोकॉल को तोड़ कर सड़क पर भाजपा के लिए उतरने के बाद भी क्या साहब की स्थिति 4 लाख पार वाली दिखती है क्या? इस सवाल से मेरी उत्सुकता को थोड़ी बाल मिली तो मै भी सवाल दागने लगा । बोली, इंडिया गठबंधन प्रत्याशी राजेश कुशवाहा के मोतिहारी के रोड शो मे वैश्यों की भागीदारी कुछ अलग ही कहानी कह रही है। भाजपा ने वैश्यों के नाराजगी को दूर करने के लिए कई वैश्य नेताओं को उतारा, लेकिन महापौर प्रीती गुप्ता की इंडिया गठबंधन प्रत्याशी के लिए मेहनत और उनके कार्यक्रमों की भीड़ तो भाजपा के इस एक मुश्त वोट बैंक मे छिद्र कर ही दिया है। भले ही ढाका विधायक पार्टी निर्देशों को मान कर ऊपरी तौर पर साहब के लिए प्रचार कर रहे हो, लेकिन भाजपा के पूर्व एमएलसी बब्लू गुप्ता और पवन जायसवाल जैसे नेता और उनके समर्थक क्या अपने इन वैश्य नेताओं को भूल जाएगी। जाहीर सी बात है वैश्य मे भीतरघात की आपार संभावनए दिख रही है। कुशवाहा प्रत्याशी पहली बार इस लोक सभा को मिले है वैसे मे उपेन्द्र कुशवाहा फैक्टर तो यहाँ पूरी तरह शून्य दिख रहा है। 20 से 25 % मत भी साहब ले पाए तो बड़ी बात होगी। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी मुकेश सहनी की पार्टी से है। सहनी वोटर भी भाजपा का कोर वोटर रहा है, इसमे भी 50-50 % के असर लग रहे है | भूमिहार और ब्राह्म संगठनों ने तो खुल कर साहब का विरोध करना शुरू कर दिया है। ब्राह्मणों मे बाहुबली राजन तिवारी और उद्योगपति राकेश पांडे भी अपनी विरादरी मे साहब के विरुद्ध वोट पर काम कर रहे है। राकेश पांडे गाँव- गाँव घूम कर राजेश कुशवाहा के लिए वोट मांग रहे है। जनरल कैटेगरी मे 100 % राजपूतों का वोट साहब के साथ है। बिगनी बोली, ये सारे मतों का ब्लॉक भाजपा का ही है जिसमे छिद्र होता नजर आ रहा है। भूमिहारों का संगठन और कई भाजपा नेता भी साहब का विरोध कर रहे है। भाजपा नेता अखिलेश सिंह तो मोतिहारी मे प्रचार नहीं कर कहीं और चले गए है। पहली बार यह चुनाव क्षेत्रीयता की ओर जाता दिख रहा है। मुस्लिम और यादव अपने –अपने गठबंधन के साथ है। और कुछ जातियों के वोट को खरीदने का भी सिलसिला चलेगा । मैंने पूछा, लेकिन प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी फैक्टर भी तो बहुत ही बड़ा है। बिगनी के अपने बीड़ी के अंतिम कश लगाते हुए बोली, हा है- मोदी का अपना हर जाती मे वोट है और यही वोट साहब को चुनाव जितवा सकता है। लोग चाहते है मोदी फिर प्रधान मंत्री बने लेकिन कई क्षेत्रों मे भाजपा के स्थानीय प्रत्याशियों के प्रति लोगों मे भारी आक्रोश भी है। वैसे साहब भी लगातार मतदाताओं से माफी मांगते दिख रहे है अगर लोगों ने माफ कर दिया तो साहब चुनाव जीत सकते है अन्यथा इस लोक सभा की अभी तक जो तस्वीर दिख रही है और अगर ऐसा ही हुआ तो साहब के समर्थकों के लिए यह चुनाव यादगार हो सकता है और साहब का ताज भी छिन भी सकता है, लेकिन ये सब अंतिम समय मे मतदाताओं के मूड पर निर्भर करता है।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उत्तरप्रदेश सीमा सील और विभिन्न इलाकों में फ्लैग मार्च

बीएनएम। बगहा

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर रामनगर और नौरंगिया समेत वाल्मीकिनगर के विभिन्न इलाकों में पुलिस ने फ्लैग मार्च किया। बतादें की वाल्मीकिनगर संसदीय क्षेत्र में 25 मई को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होना है। इस चुनाव को शान्तिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए हर चौक चौराहे पर पुलिस की तैनाती की गई है। साथ ही लोगों से अपील की जा रही है की शांतिपूर्ण तरीके से पहले मतदान करें और फिर जलपान करें। पुलिस लोगों को जागरूक भी कर रही है की लोकतंत्र के इस महापर्व में हिस्सा लेकर अपने बहुमूल्य वोट जरूर दें। रामनगर थानाध्यक्ष अनंत राम ने बताया की लोगों से अपील की जा रही है की भयमुक्त वातावरण में वोट डालें और किसी भी प्रकार की कोई समस्या हो तो वे तत्काल पुलिस को सूचित करें। भयमुक्त माहौल में निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए चप्पे चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई है।नौरंगिया थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि जलाधिकारी के आदेश के आलोक में उत्तरप्रदेश सीमा मदनपुर को पूर्णरूप से सील कर दिया गया है और सीआरपीएफ के जवानों के साथ फ्लैग मार्च किया जा रहा है।

मतदान केंद्रों पर दिव्यांगजन एवं वृद्ध मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर की सुविधा

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी स्थित बुनियाद केंद्र पर स्काउट एंड गाइड तथा एनसीसी के 132 बच्चों को वृद्ध एवं दिव्यांगजन मतदाताओं को मतदान केंद्रों पर जरूरी सहयोग उपलब्ध कराने को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान मतदान केंद्र पर क्या किया जाना है एवं क्या नहीं करना है के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देश के आलोक में मतदान केंद्रों पर आने वाले दिव्यांगजन एवं वृद्ध मतदाताओं को व्हीलचेयर की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए मतदान केंद्र पर रैंप बनाए गए हैं ताकि किसी भी वृद्ध अथवा दिव्यांगजन मतदाता को अपने मताधिकार का प्रयोग करने में कोई परेशानी नहीं हो। स्काउट एंड गाइड एवं एनसीसी के जिन 132 बच्चों को ट्रेनिंग दी गई है उन्हें चिन्हित किए गए मतदान केंद्रों से टैग कर दिया गया है। ज्ञातव्य की जिला के सभी मतदान केंद्रों पर रैंप बनाए गए हैं और व्हीलचेयर की व्यवस्था कराई गई है। प्रशिक्षण के दौरान सहायक निदेशक, दिव्यांगजन प्रशाखा, पूर्वी चंपारण शिवेंद्र कुमार उपस्थित थे।

तेजस्वी यादव ने कांग्रेस उम्मीदवार मदन मोहन तिवारी को जिताने अपील की

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

जिले बनकटवा प्रखंड स्थित राम मनोहर लोहिया मैदान में महागठबंधन के उम्मीदवार मदन मोहन तिवारी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कांग्रेस उम्मीदवार मदन मोहन तिवारी को जिताने अपील की । उन्होंने कहा कि देश में महागठबंधन की सरकार बनी एक करोड़ युवाओं को रोजगार दूंगा। गैस सिलेंडर के दाम कम करेंगे, युवाओं को आर्थिक मदद करेंगे, महिलाओं के खाते में 8500 रुपये देंगे। ऐसे में एनडीए नेताओ के झांसे में नही आकर चुपचाप अपना मतदान कांग्रेस के पक्ष में कीजिए। क्योंकि एनडीए में सब झांसेबाज इक्ठ्ठा हो गया है। झूठ बोलना सांप्रदायिक तनाव पैदा करना और राज करना इनकी नियति है। मौके पर वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने कहा कि आप सभी लोकतंत्र को बचाने के लिए मतदान करें,और उनकी पार्टी की सरकार बनती है तो चुनाव के पहला रक्षाबंधन के अवसर पर सभी बहनों के खातों में सीधे एक लाख रुपये देने का काम करेंगे। दो सौ यूनिट बिजली फ्री दिया जाएगा। अब गरीबों को पांच किलो राशन के बदले दस किलो राशन मिलेगा और एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने की काम करेगी। भाजपा सरकार में सभी सरकारी नौकरी को प्राइवेट लिमिटेड से बेचने का काम किया।

वाल्मीकिनगरः एनडीए ने झोंकी पूरी ताकत, भोजपुरी सिने स्टार खेसारी लाल यादव ने किया रोड शो

बीएनएम। बगहा

वाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र में एनडीए ने चुनाव जीतने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। इसी क्रम में गुरुवार की सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक भोजपुरी सिने स्टार खेसारीलाल यादव ने एनडीए गठबंधन के जदयू प्रत्याशी सुनील कुमार कुशवाहा के पक्ष मे रोड शो किया। भोजपुरी फिल्म स्टार अभिनेता खेसारी लाल के साथ संगीतकार व बिहार सरकार के पूर्व मंत्री विनय बिहारी भी मौजूद रहे। रोड शो का शुभारंभ शनिचरी थाना क्षेत्र स्थित मुन्ना मोटानी फार्म हाउस से किया गया जो लौरिया,रामनगर,नरकटियागंज, वाल्मीकिनगर के विभिन्न इलाकों से होते हुए बगहा तक किया गया। इस रोड शो मे सैकड़ों मोटर साइकिल और चार पहिया वाहन पर सवार होकर हजारो की संख्या में एनडीए समर्थको ने सुनील कुमार के पक्ष में वोट डालने की अपील की। खेसारी लाल यादव खुद हाथ जोड़ कर मतदाताओ से जदयू प्रत्याशी के पक्ष मे मतदान करने की अपील करते रहे ।

PS BAJAJ FINANCE WHOLE SALE Market QUALITY MATTERS

प्रियांशु बाजाज

नौकरी नौकरी

फाइनेंस होल सेल मार्केट लिमिटेड

Contact No.- 8755711350, 7324818096

https://psbajajholselemarket.in/career

संक्षिप्त समाचार

सत्ता पक्ष के पास कोई मुद्दा नहीः डॉ राजेश

बीएनएम। तुरकौलिया। इंडिया गठबंधन समर्थित मोतिहारी लोकसभा प्रत्याशी डा0 राजेश कुमार धुआंधार प्रचार प्रसार कर रहे हैं। प्रचार बंद होने के ठीक पहले गुरुवार दोपहर को अपने कार्यकर्ताओं के साथ हरसिद्धि विधानसभा अंतर्गत मुरारपुर पंचायत के सरिसवा गांव पहुंच थे। जहां समाजसेवी कमरूद्दीन अंसारी के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात कर इंडिया गठबंधन के पक्ष में समर्थन देने का अपील किया। साथ ही इंडिया गठबंधन के लोकसभा प्रत्याशी डा0 राजेश कुमार ने कहा कि सत्ता पक्ष के पास कोई मुद्दा नही है। जबकि इंडिया गठबंधन महंगाई कम करने, युवकों को रोजगार देने, गरीब परिवार को सालाना एक लाख रुपए देने और किसानों के लिए गारंटी एमएसपी लागू करने के नाम पर अपने पक्ष में वोट मांग रही है। जहां आमजनों का अपार समर्थन भी मिला रहा है। वही डा0 राजेश ने एक बार फिर अपने पक्ष में लोगों से वोट देने का अपील किया। वही समाजसेवी कमरूद्दीन अंसारी ने अपने आवास पर लोकसभा प्रत्याशी सहित सभी कार्यकर्ताओं का जोरदार अभिनंदन किया। मौके पर मोहर्रम मियां, मजहर आलम, सरफराज आलम, ज्ञानचंद्र सिंह, जमील अख्तर, उप मुखिया मुजफ्फर आलम, कैशर खालिद, जाहिद आलम, कादिर आलम, कलाम अंसारी, नंदकिशोर साह, अमजद आजाद, अफरोज आलम, सोनू आलम, दीनानाथ साह, अशरफ अली, मौज्जम आरिफ आदि मौजूद थे।

पर्यटन नगरी वाल्मीकिनगर में अभावग्रस्त अस्पताल सिर्फ रेफर करने के लिए

महिला डॉक्टर की पोस्टिंग होने के बावजूद डॉक्टर रहतीं हैं अनुपस्थित

बीएनएम। बगहा। बगहा के वाल्मीकिनगर स्थित अस्पताल की हालत बीमार चल रही है। बात यूं है कि कोई भी सीरियस मरीज का उपचार यहां नहीं होता है। अगर कोई मरीज अस्पताल परिजनों के द्वारा लाया जाता है तो उसे फ़ौरन रेफर कर दिया जाता। बतादें इस अस्पताल में सर्जन डॉक्टर नहीं है इसलिए रेफर एक मात्र विकल्प पर कार्य किया जाता है। सांप के बाईट का वैक्सीन होते हुए भी मरीज का इलाज नहीं किया जाता है क्योंकि इसके एक्सपर्ट डॉक्टर नहीं हैं।इसलिए ऐसे मरीजों को 40 से 60 किलोमीटर दूर नेपाल स्थित भैरहवा या फिर बगहा अनुमंडल अस्पताल के लिए रेफर कर दिया जाता है। वाल्मीकिनगर फॉरेस्ट एरिया है जहां बहुतायत सरीसृप पाए जातें है। बावजूद यहां डॉक्टर नहीं हैं। समाजसेवी अमित सिंह ने कहा कि महिला डॉक्टर होते हुए भी वह अक्सर अनुपस्थित रहती हैं जिससे महिला सम्बंधित मरीज खासकर गर्भवती महिलाओं की जान सांसत में रहती है। स्वास्थ विभाग की सूत्रों की माने तो वाल्मीकिनगर पीएचसी को अपग्रेड किया गया है इसे सीएससी का दर्जा मिल गया है। लेकिन इसके बावजूद वाल्मीकिनगर पर्यटन नगरी होते हुए भी बहुतेरे अभाव से जूझ रहा है।यूं मानो की यह ला इलाज बिमारी से ग्रस्त हो चला है और इसे खुद इलाज की जरूरत है।

ग्रामीणों ने मेमने को अजगर की पकड़ से छुड़ाया मेमने गिन रहा अंतिम सांस

बीएनएम। बगहा। बृहस्पतिवार की सुबह ई टाइप कॉलोनी के लोग अपने दैनिक क्रिया से निवृत हो रहे थे। तभी वीटीआर जंगल की तरफ से मेमने की चीखने की आवाज़ लगातार आने लगी जिससे कॉलोनी के लोग उस तरफ दौड़ पड़े।करीब जाकर देखा तो एक विशालकाय अजगर बकरी के बच्चे को लपेट रखा है और उसे निगलने की प्रक्रिया कर रहा है। घटनास्थल पर पहुंचे कुछ लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए अजगर का पूंछ पकड़ कर मेमने को छुड़ाने की कोशिश करने लगे।जिसे देख अन्य लोगों ने भी सहयोग के लिए आगे आए और बकरी के बच्चे को अजगर की पकड़ से छुड़ा लिया।लेकिन तबतक बहुत देर हो चुकी थी,मेमना अपनी अंतिम सांस गिन रहा था।इस बीच अजगर घनी झाड़ियों में सरक गया। बतादें की जलसंसाधन विभाग गंडक प्रोजेक्ट और उसके रिहायशी कॉलोनी वीटीआर जंगल के बीचों बीच बसा हुआ है। जिस वजह से वीटीआर के जंगली जीवजन्तु अक्सर रिहायशी इलाके की तरफ चले आते हैं। एक्सपर्ट की माने तो अजगर शिकार जानवर को लपेटे में लेकर पकड़ मजबूत करते हुए उसके हड्डियों को तोड़ कर नरम करता है ताकि शिकार निगलने में आसानी हो।

बिहार राज्य परिवहन मंत्री ने वाल्मीकिनगर संसदीय ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा किया

बीएनएम। बगहा। वाल्मीकिनगर संसदीय क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी की जीत को लेकर पार्टी के नेता और कार्यकर्ता कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहते। जदयू और भाजपा के कई मंत्री और पार्टी से जुड़े संगठन के बड़े कार्यकर्ता लगातार पंचायत स्तर तक जाकर लोगों से विकास के नाम पर वोट मांगने की अपील कर रहे हैं। इसी क्रम में बिहार सरकार की परिवहन मंत्री शिला मंडल इंडो नेपाल सीमा अंतर्गत वाल्मीकीनगर से सटे कई पंचायतों का दौरा किया और नीतीश सरकार के उपलब्धियों को लोगों के बीच रखा। उन्होंने तेजस्वी पर निशाना साधते हुए कहा की जिस नौकरी का नियुक्ति पत्र बांटने का क्रेडिट वह ले रहे हैं उसकी शुरुवात तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की हीं देन है। जिन्होंने पहले कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर बहाल किया और फिर अहर्ता परीक्षा के तहत बहाली कराने की प्रक्रिया शुरू की। उससे पूर्व तो पंचायतों में स्कूल हीं नहीं हुआ करते थे। जैसे जैसे नीतीश सरकार ने बुनियादी ढांचे को मजबूत किया और पंचायत स्तर तक के विद्यालयों का कायाकल्प किया वैसे वैसे शिक्षकों की बहाली का रास्ता साफ हुआ और अब तक सरकार ने 8 लाख से ज्यादा युवाओं को नौकरियां दी हैं। सुशासन के सरकार ने बेसिक चीजों पर काम किया मसलन आज सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का जाल बिछा हुआ है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में आमूल चूल परिवर्तन हुआ है। प्रत्येक जिला में गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल बने हैं और अस्पतालों में अब डॉक्टर उपस्थित रह रहे हैं। हम विकास के कार्यों पर हीं लोगों से वोट की अपील करने पहुंचे हैं और जदयू प्रत्याशी सुनील कुमार को जिताने की अपील कर रहे हैं।

लोस चुनाव : केसरिया विधानसभा क्षेत्र के 267 बूथ पर 2741139 मतदाता डालेंगे वोट

मतदान कल, तैयारी पूरी

बीएनएम। केसरिया। अमृतेश कुमार ठाकुर

लोकसभा चुनाव को लेकर केसरिया विधानसभा क्षेत्र के लिए उच्च विद्यालय केसरिया में बनाये गए डिस्पैच सेंटर पर गुरुवार को मतदान कर्मियों को मतदान से संबंधित सामग्री उपलब्ध करायी गई। साथ हीं संबंधित कर्मियों को मतदान केंद्र आवंटित किया गया। डीडीसी समीर सौरभ, बीडीओ मनीष कुमार सिंह, सीओ पूनम मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों ने शांतिपूर्ण माहौल में मतदान सम्पन्न कराने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। केसरिया विधानसभा क्षेत्र में कुल 267 मतदान केंद्र बनाया गया है। इनमें 81संवेदनशील घोषित किया गया है। वहीं उच्च विद्यालय हुसेनी को आदर्श, प्राथमिक विद्यालय केसरिया हिंदी को पिंक, मध्य विद्यालय नयागांव को दिव्यांग व उर्दू मध्य विद्यालय दरियापुर को युवा मतदान केंद्र बनाया गया है। इन बूथों पर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहेगी।

274139 मतदाता डालेंगे वोट- लोकसभा चुनाव में केसरिया विधानसभा क्षेत्र में 274139 मतदाता वोट करेंगे। इनमें 144233 पुरूष, 129903 महिला व तीन थर्ड जेंडर मतदाता हैं। प्रखण्डवार बात करें तो इस विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले केसरिया में 131 बूथ पर 140368, कल्याणपुर में 50 बूथ पर 49593 व संग्रामपुर में 86 बूथ पर 84178 मतदाता मतदान करेंगे। इन मतदाताओं में 3765 युवा मतदाता, 2319 दिव्यांग व 2335 वरिष्ठ मतदाता भी शामिल हैं।

करीब 13 सौ मतदान कर्मी व 16 सौ पुलिसकर्मियों की तैनाती- चुनाव को शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने को लेकर केसरिया विधानसभा क्षेत्र में करीब 13 सौ मतदान कर्मियों की तैनाती की गई है। वहीं कुल तैनाती का 10 फीसदी कर्मियों को रिजर्व रखा गया है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पाँच जोनल दंडाधिकारी, एक सुपर जोनल दंडाधिकारी, 34 सेक्टर दंडाधिकारी के अलावें करीब 16 सौ पुलिस कर्मी व पुलिस पदाधिकारी की तैनाती है। इनमें पारा मिलिट्री, सीएपीएफ व सहरसा जिला पुलिस बल शामिल है।

रुठे नेताओं को मनाने तथा कार्यकर्ताओं को हौसला बुलंद करने करने उतरे डिप्टी सीएम

बीएनएम। चनपटिया

चनपटिया प्रखंड क्षेत्र के सिरिसिया गांव में भाजपा नेता विरेश्वर राय के निवास स्थान पर गुरुवार को बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने एनडीए प्रत्यासी डाक्टर संजय जयसवाल के पक्ष में मतदान करने कि अपिल किया।वही जन-संपर्क अभियान के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार सभी वर्गों के हित में कार्य किया हैं। भ्रटाचार मुक्त बिहार शिक्षा एवं गरिबों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण योजना चालू कि गई हैं। वही लोगों से निवेदन करते हुए कहा कि इस लोकसभा चुनाव में एनडीए चार सौ पार कर रही है आप सभी एनडीए को मतदान करे एवं फिर से मोदी सरकार को तिसरी बार लाना है। वहीं पुर्व प्रमुख बसंत सिंह के निवास पर डीप्टी सीएम ने उनसे मिलकर पुर्व के गिलवा शिकायत को दुर कर मिल कर कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, विरेश्वर राय, विभव रंजन चौबे, जदयू नेता अखिलेश्वर आजाद, पूर्व प्रमुख बसंत सिंह, रामप्रवेश सिंह, निर्भय राय, दिनेश सिंह, मनोज साह,अर्जुन पटेल, विनोद पाण्डेय, उमेश पाण्डेय आदि लोग मौजूद रहे।

इंडो नेपाल सीमा 48 घंटे के लिए सील 25 की शाम फिर से आवागवन सुचारू

गृहमंत्रालय के आदेशानुसार नेपाल सरकार ने 72 घंटे का सील बंद किया

बीएनएम। बगहा

25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा एहतियातन इंडो नेपाल सीमा को 48 घंटे के लिए सील कर दिया गया है। यह बंद बृहस्पतिवार की शाम 6 बजे से किया गया है। जबकि नेपाल गृहमंत्रालय के आदेशानुसार इंडो नेपाल सीमा बुधवार की शाम 6 बजे से ही सील कर दिया गया है। इनके अनुसार यह बंदी 72 घंटे का होगा। बतादें वोटिंग की शाम 25 मई को वोटिंग खत्म होते ही फिर से बॉर्डर पूर्वत सुचारू कर दिया जाएगा। एसएसबी अधिकारी सूत्रों की माने तो सीमा सील बंद के दौरान नेपाल से वोट करने वाले व्यक्तियों को भारत मे प्रवेश की इजाजत होगी।

एनडीए को जितायें , विकसित भारत बनाएंः आदित्यनाथ योगी

- राहुल गांधी विरासत टैक्स के रूप में देशवासियों पर जजिया कर लगाना चाह रहे हैं
- चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मी रहे तैनात, रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था रही सख्त
- सभा में बुलडोजर से पहुंचे लोग

बीएनएम। सुगौली

(मृत्युंजय पाण्डेय) लोकसभा चुनाव के छठे चरण के चुनाव प्रचार के आखिरी दिन गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भाजपा के स्टार प्रचारक आदित्यनाथ योगी ने नगर पंचायत स्थित स्टेडियम में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री श्री योगी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अयोध्या में उत्तर प्रदेश सरकार ने ऋषि वाल्मीकि जी के नाम पर इंटरनैशनल एयरपोर्ट का निर्माण कराया है तो वहीं निषाद राज के नाम पर अनेक सुविधाएं राम जन्मभूमि पर विकसित की गई हैं। उन्होंने पश्चिम चम्पारण लोकसभा क्षेत्र से चुनावी मैदान में ताल ठोक रहे भाजपा प्रत्याशी डॉ संजय जायसवाल को जिताने की अपील करते हुए जनसभा में उपस्थित जनसमूह से कहा कि विकसित भारत के लिए केंद्र में एन डी ए की सरकार बनाना सुनिश्चित करने के लिए डॉ जायसवाल को जीतायें। मुख्यमंत्री योगी ने सभा में मौजूद लोगों के सामने घोषणा करते हुए कहा कि मोदी जी निश्चित तौर पर तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। उन्होंने बिहार की भाजपा और जदयू गठबंधन की सरकार पर बोलते हुए कहा कि हमारी गठबंधन सरकार ने बिहार से अराजकता का खात्मा किया है। मुख्यमंत्री योगी ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस हिन्दुस्तान में जजिया कर लगाने पर अमादा है। उन्होंने खुलासा करते हुए कहा कि कांग्रेस के राहुल गांधी ने कहा है कि कांग्रेस देश में कानून बनाकर विरासत टैक्स लगायेगी। जिसके तहत बहुसंख्यकों की विरासत में मिली संपत्ति का बंटवारा कर पाकिस्तानी, अफगानिस्तानी और बंग्लादेशी घुसपैठियों में बांटेगी। उन्होंने कहा कि औरंगजेब ने सत्ता के लिए अपने भाई की हत्या की और पिता को कैद कर लिया। मुख्यमंत्री ने औरंगजेब को मंदिरों को विध्वंस करने वाला बताते हुए कहा कि कांग्रेस में औरंगजेब की आत्मा घुस गई है। चुनावी सभा में लोग बुलडोजर पर सवार होकर योगी को सुनने पहुंचे थे। nश्री योगी के आगमन को लेकर व्यापक सुरक्षा का इंतजाम किया गया था।एक तरफ जहां स्थानीय रेलवे स्टेशन से लेकर नगर पंचायत के हर चौक चौराहों पर सुरक्षाकर्मी तैनात थे तो वहीं दूसरी तरफ सभा स्थल पर सघन सुरक्षा घेरा बनाया गया था। मौके पर भाजपा के राज्यसभा सांसद सतीश चंद्र दूबे, विधायक रेणु देवी, पूर्व विधायक रामचंद्र सहनी, बबलू गुप्ता सहित अन्य मौजूद थे।

लोकसभा चुनाव को लेकर रामगढ़वा व पलनवा थाना क्षेत्रों में पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

बीएनएम। रामगढ़वा

रामगढ़वा थानाध्यक्ष सच्चिदानंद पांडेय के नेतृत्व में व पलनवा थाना क्षेत्र में थानाध्यक्ष रमेश महतो के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया जिसमें जिला पुलिस व अर्द्धसैनिक बल शामिल थे। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष सच्चिदानंद पांडेय व रमेश महतो ने बताया कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य शांति व व्यवस्था को स्थापित करना है। आम लोगों के बीच पुलिस के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ाना है। ताकि लोग भय मुक्त और निष्पक्ष मतदान कर सकेंगे। थानाध्यक्ष सच्चिदानंद पांडेय ने यह कहा कि भय मुक्त, शांतिपूर्ण व निष्पक्ष मतदान को लेकर पुलिस व प्रशासन के द्वारा हर संभव और सभी तैयारियां को पूरी कर ली गई है। कहीं से भी कोई गड़बड़ी होने नहीं दी जाएगी। फ्लैग मार्च निकाल कर लोगों के बीच पुलिस के प्रति विश्वास दिलाने एवं आम लोगों के बीच भय मुक्त माहौल को बनाया जा रहा है। यह फ्लैग मार्च रामगढ़वा प्रखंड कार्यालय से शुरु हुआ और पूरे रामगढ़वा बाजार क्षेत्र का भ्रमण करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में भी गया। वही पालनवा थाना क्षेत्र पखनहिया चौक, मुड़वा, भरवालिया, खोड़ावा, सौनाहा चौक, प्रसौना तपसी लवकरिया इत्यादि गाँवो मे भ्रमण किया। वही पालनवा थाना के एस आई हुलास राय, विनोद कुमार सहित अर्द्ध सैनिक बल शामिल थे।

नाव से जाकर बैजूआ पंचायत के लोगों को मतदान के लिए किया गया जागरूकः मेरी आडलीन

बीएनएम। बेतिया

बैरिया प्रखंड अंतर्गत बैजूआ गंडक दियारा के नारायणपुर गांव में लोगों में दिखी मतदान के लिये उत्साह मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जिला स्वीप कोषांग प० चंपारण के सदस्यों ने बैरिया प्रखंड के दियारा क्षेत्र में जाकर लोगों को मतदान के लिए जागरूक किया। स्वीप कोषांग की सदस्या सुश्री मेरी आडलीन ने बताया कि आज जिला स्वीप कोषांग के सदस्यों के साथ बैरिया प्रखंड के तीन पंचायत लौकरिया, बथना और बैजूआ में जाकर दरवाजा खटखटाओ, मतदान के लिए बुलाओ अभियान के तहत लोगों को मतदान के लिए जागरूक किया। सुश्री मेरी आडलीन ने बताया कि बैजूआ पंचायत के नारायणपुर गाँव के लोगों से, मतदाताओं से जनसंवाद किया गया। गांव के महिला, पुरुषों के साथ ही युवाओं में भी वोट के प्रति उत्साह दिखा। मतदाता जनसंपर्क के क्रम में कई युवती और युवाओं ने बताया कि वे इस वर्ष वोटर बने है और पहली बार वोट देंगे। वही फर्स्ट टाइम वोटर मो शाहिल ने कहा कि मैं काफी खुश और उत्साहित हूं क्योंकि मैं अठारह वर्ष का हो गया हूँ। इस बार लोकतंत्र के महात्यौहार को मैं अपना पहला वोट देकर मनाऊंगा। सुश्री आडलीन ने बताया कि मतदाता जागरूकता अभियान के कड़ी में बथना पंचायत से बैजूआ पंचायत में नाव से जाने के दौरान नाव पर सवार किसान, मजदूर, चरवाहे और अन्य ग्रामीण जनता ने एक स्वर में कहा हमलोग 25 मई को अपने मत का प्रयोग अवश्य करेंगे और देश की तरक्की में अपना योगदान देंगे। मतदाता जागरूकता जनसंपर्क, दरवाजा खटखटाओ, मतदान के लिए बुलाओ अभियान में जिला स्वीप कोषांग के सदस्य रानी कुमारी, शिक्षिका मेघना, मनीषा कुमारी, संजय कुमार, उत्तम सिंह, संजय कुशवाहा के साथ ही अन्य शामिल हुए।

संपादकीय

पहले हक तो मिले

चार जून के बाद मोदी आपकी शक्ति को महाशक्ति बना कर रहेगा। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की मानसिकता को महिला विरोधी करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनारस में यह बात कही। प्रधानमंत्री नारी शक्ति संवाद कार्यक्रम में पच्चीस हजार महिलाओं से सीधा संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दस साल की सरकार के निर्णय से पहली बार आज माताएं और बहनें केंद्र में आई हैं।

उन्हें योजनाएं बनाने में केंद्रीय भूमिका में रखा जा रहा है, और उनके उन्नयन के लिए योजनाएं बनाने पर बल दिया जा रहा है। यह भारत की सक्सेस स्टोरी का बहुत बड़ा फैक्टर है। उन्होंने अपनी पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकलाप का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस और सपा सरकारों ने महिलाओं की उपेक्षा की। उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब घर आपके बिना नहीं चलता तो देश आपके बगैर कैसे चल जाता। विपक्षी दलों की मानसिकता को महिला विरोधी ठहराते हुए मोदी ने कहा कि वे महिलाओं को आरक्षण देने का विरोध करते हैं। सपा वाले बेशर्मी से कहते थे, लड़के हैं लड़कों से गलती हो जाती है लेकिन आज सपा के लड़के गलती करके दिखाएं। मगर वे जिस वक्त ये दावे कर रहे थे, उसी वक्त राजस्थान के करौली जिले की मूक-बधिर आदिवासी नाबालिग ने जयपुर में दम तोड़ दिया। दस साल की मासूम बच्ची बलात्कार करके जिन्दा जलाई गई थी।

दस दिन तक जिन्दगी और मौत के बीच झूलते हुए उसने दम तोड़ दिया। मोदी बिहार के चंपारण और महाराजगंज की चुनावी रैलियों में अंबेडकर और आरक्षण की बात कर अपनी सरकार की पीठ थपथपाते रहे। मगर प्रशासन या सरकार की तरफ से इस बच्ची की कोई सुध नहीं ली गई। महिलाओं के शक्तिशाली होने की बातें बनाने से अब काम नहीं चलने वाला। उन्हें सुरक्षा चाहिए। यह सच है कि लड़कों की गलतियों को नजरंदाज करने वालों की पार्टी के राज में महिलाएं असुरक्षित थीं। मगर अब जब सुशासन की बात की जा रही है, मासूम मूक-बधिर बच्ची के साथ हुई हैवानियत भाजपा के राज में हुई। निःसंदेह कानून अपना काम करेगा। मगर कानून बनाने वालों को भी चेतना होगा। उन्हें आरक्षण देने या लेने वालों को यह सबक भी सिखाने होंगे कि संविधान की नजर में महिलाओं का स्थान बराबरी का है। वे असल महाशक्ति तभी बन सकती हैं, जब उनकी निजता, आजादी और अस्मिता पर आंच न आने दी जाए। कमोबेश अपने यहां चुनावी भाषणों में इसकी कोई चर्चा नहीं होती।

कोविड-19 का नया वेरियंट

भारत में कोविड-19 के उपस्वरूप केपी.2 से 290 और केपी.1 से 34 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि होने के साथ ही आम जन में घबराहट का माहौल है। कोविड-19 के ये दोनों उपस्वरूप सिंगापुर में संक्रमण के मामले बढ़ने के लिए जिम्मेदार हैं, और इस संक्रमण से दुनिया भर के देश चिंतित हो गए हैं।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत काम करने वाली 'इंडियन सार्स-सीओवी-2 कंसोर्टियम ऑन जीनोमिक्स (आईएनएसीओजी) द्वारा संकलित आंकड़ों के मुताबिक, नये मामले सात राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से सामने आए हैं।

हालांकि महामारी विशेषज्ञों ने कहा है कि घबराने या चिंतित होने की जरूरत नहीं है क्योंकि 'इस विषाणु के स्वरूप में तेजी से बदलाव होते रहेंगे और यह सार्स-सीओवी2 जैसे विषाणुओं का नैसर्गिक गुण है।' इन उपस्वरूपों से होने वाला संक्रमण उतना गंभीर श्रेणी का नहीं होगा कि अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आ जाए या संक्रमित व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार पड़ जाए। बहरहाल, कोविड-19 ने जिस तरह भारत में जनजीवन और कारोबार को पटरी से उतारा था, और काफी संख्या में लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा है, उससे कोविड-19 के संक्रमण के दोबारा दस्तक देने भर से लोगों में सिहरन होने लगती है। कोविड-19 के संक्रमणकाल में देश का स्वास्थ्य ढांचा बुरी तरह नाकाम साबित हुआ था। लोग हलकान हो गए थे। अर्थव्यवस्था पटरी से उतरी तो काफी समय बाद सामान्य रफ्तार पकड़ सकी। प्रवासी कामगार पैदल ही अपने घर-गांव जाने के लिए सड़कों पर निकल पड़े थे। उन्हें रोकने के प्रयास किए गए तो कई जगह पुलिस के भी हाथ-पांव फूल गए थे, उन्हें अपने घर-गांव लौटने से रोकने में। दरअसल, मौत का इस कदर खौफ छा गया था कि लोग यह कहते सुने गए थे कि मरना ही है, तो अपने घर पर मरेंगे। स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत लोग भी दो हिस्सों में बंटे नजर आए। एक हिस्से में ऐसे सेवाभावी डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ था, जिन्होंने जान की परवाह न करते हुए संक्रमितों का उपचार किया तो दूसरा हिस्सा ऐसे लोग थे जिन्होंने उपचार के नाम पर लोगों को खुले हाथ लूटने का काम किया।

कई नामी अस्पताल अपना दायित्व भूलकर चांदी काटने में जुट गए थे। बहरहाल, जैसा मंजर था, वह इस नये संक्रमण की दस्तक मात्र से ही सिहरन पैदा करता है, तो हैरानी नहीं।

विदेश में पढ़ाई : मुसीबत में भारतीय छात्र

भले ही भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तेजी से दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है, लेकिन अभी तक भारत में गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षा प्राप्त करने के पर्याप्त विकल्प एवं अवसर उपलब्ध नहीं हैं। यही वजह है कि यहां के छात्र विदेश पढ़ने जाते हैं। हालांकि ये छात्र वहां पढ़ाई के क्षेत्र में दुारियों से ज्यादा अपनी जान को लेकर ज्यादा चिंतित हैं। दरअसल, कई मुल्कों में भारतीय छात्रों पर जानलेवा हमले की संख्या बढ़ी है।

बहरहाल, आज देशभर में 1000 से अधिक विविद्यालय और 42,000 से अधिक कॉलेज उच्च शिक्षा प्रदान करने का काम कर रहे हैं, लेकिन इनके पास अभी भी पर्याप्त पूंजी, कुशल शिक्षक और आधारभूत संरचना की कमी है। भारत का कोई कॉलेज या विविद्यालय आज भी दुनिया में शीर्ष 10 स्थानों पर काबिज नहीं है। भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार के बावजूद सबसे बड़ी चुनौती है छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना, जिसे बुनियादी सुविधाओं, कुशल शिक्षक और पूंजी उपलब्ध कराकर प्रदान किया जा सकता है। विदेश में बड़ी संख्या में छात्रों द्वारा शिक्षा ग्रहण के कारण भारत से पूंजी का बहाव विदेशों में हो रहा है और साथ में प्रतिभा का पलायन भी हो रहा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार जनवरी 2023 तक 15 लाख भारतीय छात्र विदेशों में पढ़ाई कर रहे थे, जबकि 2022 में यह संख्या 13 लाख थी और 2024 में इस संख्या के 24 लाख पहुंचने की संभावना है।

2020 से 2021 के दौरान विदेशों में शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों की संख्या में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। भारत के टियर 2 और टियर 3 शहरों से ज्यादा बच्चे विदेश में शिक्षा ग्रहण करने जा रहे हैं, जिसका कारण सामाजिक स्टेटस सिंबल और विदेश में रहने की ललक है। विदेश में पढ़ाई करने वाले छात्रों में से 20 प्रतिशत छात्र ही अपनी पढ़ाई पूरी करके विदेश से भारत वापिस लौटना चाहते हैं, जबकि 80 प्रतिशत छात्र वहीं बसना चाहते हैं। विदेशों में शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों में 35 प्रतिशत छात्र अमेरिका में शिक्षा हासिल कर रहे हैं।

आज अमेरिका के शिक्षण संस्थानों में हर 4 छात्रों में से 1 छात्र भारतीय मूल का है। 2024 में ये छात्र विदेशों में 75 से 85 अरब डॉलर रुपए खर्च कर सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 में विदेशी मुद्रा में 5 अरब रुपए खर्च किए गए। कोरोना महामारी के शुरू होने से पहले विदेशों में अध्ययनरत छात्र विदेश की अर्थव्यवस्थाओं में 24 बिलियन डॉलर का व्यय किए थे, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 1 प्रतिशत था। 2024 में इस राशि के बढ़कर 80 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है। अगर भारतीय छात्र विदेश पढ़ाई करने नहीं जाते तो विदेशी मुद्रा का इस्तेमाल आयात की जरूरत को पूरी करने में किया जाता, देश में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आती, अर्थव्यवस्था में मजबूती आती, देश की शिक्षा व्यवस्था मजबूत होती, देश की प्रतिभा का इस्तेमाल देश में किया जाता आदि।

आंकड़ों के अनुसार चीन के बाद भारत से सबसे अधिक छात्र विदेश पढ़ने जाते हैं। भारतीय छात्र उच्च शिक्षा जैसे, मेडिकल, इंजीनियरिंग, व्यवसाय प्रबंधन में डिग्री एवं डिप्लोमा हासिल करने के लिए चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, यूक्रेन, रूस, आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, अमेरिका आदि देश जा रहे हैं। मेडिकल की डिग्री हासिल करने के लिए भारतीय छात्र लगभग 3 दशकों से रूस, चीन, यूक्रेन, किर्गिस्तान, कजाकिस्तान, फिलीपींस आदि देश जा रहे हैं, क्योंकि भारत में मेडिकल सीट कम होने की वजह से यहां मेडिकल की पढ़ाई बहुत ही महंगी है।

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 में देशभर में महज 596 मेडिकल कॉलेज थे, जहां कुल मेडिकल सीटों की संख्या महज 88,120 थी। हालांकि, इंजीनियरिंग की पढाई करने के लिए विदेश जाने के दृष्टान्त कम हैं। गाहे-बगाहे बीते कई वर्षो से विदेशों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की हत्या और उनके साथ भेदभाव व्यवहार किया जा रहा है, लेकिन कोरोना महामारी और रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद विदेश में अध्ययनरत छात्रों की सुरक्षा को लेकर ज्यादा चिंता महसूस की गई, क्योंकि इस अवधि में अनेक देशों में हजारों छात्र कोरोना महामारी के शिकार बने। वहीं, महामारी के दौरान आस्ट्रेलिया के शिक्षा संस्थानों में पढ़ रहे छात्रों के लिए वहां की सरकार ने देश की सीमाएं भी बंद कर दी थी।

इससे इतर, रूस एवं यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के कारण युद्ध के शुरु आती दौर में यूक्रेन में 20,000 से अधिक छात्र फंस गए थे। कुछ महीने पहले भी कनाडा में कुछ कॉलेज के बंद होने के कारण सैकड़ों भारतीय छात्र प्रभावित हुए। पिछले दिनों किर्गीस्तान की राजधानी बिशकेक में कुछ भारतीय छात्रों पर जानलेवा हमला हुआ। फरवरी 2024 में अमेरिका के सेंट लुईस स्थित वाशिंगटन विविद्यालय के छात्र अमरनाथ घोष की हत्या कर दी गई। विदेश मंत्रालय के अनुसार 2018 से अब तक विदेशों में पढ़ रहे 400 से अधिक छात्रों की मौत हो चुकी है, जिनमें कुछ प्राकृतिक मौत थी तो कुछ हत्या। छात्रों की सबसे अधिक मौत कनाडा में हुई है।

भारतीय छात्रों की विदेश में की जा रही हत्या या उनपर किए जा रहे जानलेवा हमले या नस्लीय टिपण्णी या भेदभाव की स्थिति में सुधार लाने के लिए सरकार को अंतरराष्ट्रीय संधि की संख्या बढ़ानी चाहिए। सरकारी मेडिकल व इंजीनियरिंग कालेजों में सीटों की संख्या बढ़ानी चाहिए। छात्र बीमा योजना शुरू किया जाना चाहिए। इसके अलावा, शिक्षा के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर सुधार एवं ज्यादा से ज्यादा निवेश, नवोन्मेष और अनुसंधान को बढ़ावा, देश में रोजगार की बेहतर स्थिति, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, देश में सुशासन और हर स्तर पर सिस्टम को पारदर्शी बनाने की जरूरत है। कभी पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने विदेश में पढ़ रहे भारतीय छात्रों को देश का ब्रांड एंबेसडर कहा था और इंग्लैंड के तत्कालीन प्रधानमंत्री ने वहां पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों को दोनों देशों के बीच का जीवंत सेतु माना था, लेकिन आज इन भारतीय छात्रों की जान वैकि स्तर पर सांसत में फंसी हुई है। अस्तु, मामले में सरकार द्वारा सुधारात्मक कदम उठाने की जरूरत है।

-सतीश सिंह

टीम इंडिया चयन : उचित नहीं है विवाद

भारत में क्रिकेट और क्रिकेट में भारत, ये दो ऐसे सिरे हैं जिसने हाल के दशकों में इस खेल के पूरे चरित्र को बदल दिया है। आलम यह कि अमेरिका भी बल्ला लेकर क्रिकेट के मैदान में उतरने को तैयार है। दरअसल, क्रिकेट का रोमांच जहां सर चढ़कर बोल रहा है, वहीं यह एक कुबेरी खेल भी बन गया है। इस बात को आज दुनिया मानती है कि 1983 में लार्ड्स के मैदान में क्रिकेट वि कप जीतने के बाद से न सिर्फ भारत में बल्कि भारतीय महाद्वीप में क्रिकेट का एक नया जुनून देखने को मिला है।

आईपीएल के बाद से तो भारत क्रिकेट जगत का नया मक्का बन गया है। यह फख्र कभी इंग्लैंड या आस्ट्रेलिया को हासिल था। ऐसे में जहां भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का जहां रसूख बढ़ा है, वहीं टीम इंडिया में खिलाड़ियों के चयन का मामला भी असाधारण रूप से बढ़ गया है। ढेर सारी अपेक्षाओं, आग्रहों-दुराग्रहों के बीच टीम को शक्ल देना कोई आसासन बात नहीं है। अलबत्ता इस पूरे मामले की हालिया चर्चा में गोता लगाने से पहले तारीखी तौर पर कुछ बातें समझनी जरूरी है। गौरतलब है कि 1983 क्रिकेट वि कप में खिताबी जीत के बाद टीम मैनेजमेंट से लेकर खिलाड़ियों की नई जमात तैयार करने का जो मॉडल भारत ने दिया, वह पूरी दुनिया के लिए मिसाल बन गया। 2007 में टी-20 वि कप के आगाज तक इस प्रारूप की सफलता पर सवाल था, लेकिन भारत इसमें चैंपियन बना और उसने इस प्रारूप के मायने ही बदल दिए, लेकिन वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले 2024 आईसीसी टी-20 वि कप से पहले भारतीय क्रिकेट जगत में खलबली है। इस महाकुंभ के लिए चयनित टीम में जिस खिलाड़ियों को जगह दी गई है, उस पर लगातर सवाल उठ रहे हैं। टीम में चार स्पिनरों को चुनने पर भी लोगों की प्रतिक्रिया तीखी है। हालांकि, चयनकर्ताओं का तर्क है कि उन्होंने सिर्फ आईपीएल में प्रदशर्न को देखकर टीम का चयन नहीं किया, बल्कि अनुभव को भी तवज्जो दी है। टीम के चयन में हर विभाग का ध्यान रखा गया है और हर खिलाड़ी का चयन उसकी उपयोगिता के आधार पर ही हुई है। वैसे, भारतीय टीम का प्रदर्शन तो 1 जून से शुरू हो रहे वि कप के मैचों में ही दिखेगा, लेकिन कुछ सवाल हैं जो खेल प्रशंसक और क्रिकेट जानकारों को परेशान कर रही हैं।

दरअसल, पूरी दुनिया में टी-20 क्रिकेट को मशहूर बनाने वाले भारत को टी-20 वि कप का खिताब जीते 17 वर्ष बीत चुके हैं। 2011 में ब्लू जर्सी ने 50 ओवर का वि कप तो जीता, लेकिन इस प्रारूप में जीत हमारे हाथों से फिसलती रही है। शायद, यही कारण है कि पूर्व क्रिकेटर से लेकर विश्लेषक तक एक बेहतरीन टीम संयोजन की वकालत करने में जुटे हैं। बहरहाल, भारतीय टीम में शामिल 15 खिलाड़ियों में आठ का हाल के दिनों में प्रदशर्न बेहतर होने के बजाय खराब हुआ है। कप्तान रोहित शर्मा, उपकप्तान हार्दिक पंड्या, सूर्य कुमार यादव, संजू सैमसन, शिवम दुबे ये सभी वे नाम हैं, जिन्होंने आईपीएल के दौरान बड़े शॉट तो खेले, लेकिन विास और निरंतरता के साथ प्रदर्शन नहीं किया है। विकेटकीपर के तौर पर ऋषभ पंत अपने पुराने फॉर्म में लौटे हैं, लेकिन बल्लेबाजी में अभी भी उन्हें कुछ समस्या है। गेंदबाजी में भी जसप्रीत बुमराह और सिराज को छोड़ दें तो किसी अन्य ने बहुत उम्दा प्रदर्शन किया है, ऐसा नहीं है। के एल राहुल के बाहर करने पर भी विवाद हुआ, जिसका जवाब दिया गया कि उनके शामिल होने से टीम में बल्लेबाजी क्रम में दिक्कत होती। भारतीय टीम के चयन पर सवाल उठने के बाद रोहित शर्मा से लेकर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर तक चाहे जितनी भी सफाई पेश कर चुके हों, यह सच है कि वि कप की अन्य मजबूत टीमों के मुकाबले हमारी टीम में कुछ कमजोरियां नजर आ रही हैं। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड जैसी टीमों के उलट भारत की टीम में ऑलराउंडर्स और अनुभवी फिनिशरों की कमी दिख रही है। भारतीय टीम को देखें तो फिलहाल हार्दिक पंड्या के रूप में हमारे पर तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर है। जो फिनिशर हारे हुए मैच को जिताते हैं, भारत के पास ऐसा अनुभवी फिनिशरों की भी कमी है। शीर्ष क्रम में भी ज्यादातर वही खिलाड़ी हैं, जो पिछले दो टी-20 वि में फेल रहे। इस पूरे टीम संयोजन में आईपीएल के दौरान विदेशी गेंदबाजों के सामने उम्दा खेलने वाले खिलाड़ियों को तवज्जो न के बराबर दी गई है। ऐसे में टीम चयन पर लोगों की नाराजगी जायज लगती है। चयनकर्ताओं ने खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने का चाहे जो भी पैमाना अपनाया हो, इस बात को नजरअंदाज करना मुश्किल है कि आईपीएल के 17वें सत्र ने भारत को टी-20 के कई नए और धाकड़ युवा चेहरे दिए। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने वाले अभिषेक शर्मा हों या गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन, कोलकाता नाइटराइडर्स के हर्षित राणा और रिंकू सिंह या फिर चेन्नई के ऋतुराज गायकवाड़ इन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। ऐसे में टी-20 विश्व कप में इनमें से भी किसी खिलाड़ी को आजमाया जाना चाहिए था। खैर, अगर अमेरिका से टीम इंडिया खिताब के साथ लौटती है तो इस पूरे विवाद का सुखद पटाक्षेप होगा, अन्यथा इस विवाद की आगे कुछ और तहें भी खुलेंगी।

-संदीप भूषण

आज का पंचांग

24 मई 2024 को ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि है। इस तिथि पर अनुराधा नक्षत्र और शिव योग का संयोग रहेगा। दिन के शुभ मुहूर्त की बात करें तो शुक्रवार को अभिजीत मुहूर्त 11:50 -12:45 रहेगा। राहुकाल सुबह 10:36 - 12:18 मिनट तक रहेगा।

आज का राशिफल

मेष : आर्थिक क्षेत्र में पूंजी निवेश आदि करने में सावधानी रखें. संपत्ति के क्रय विक्रय के लिए आज का दिन शुभ कार्य रहेगा. व्यापार में आय बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे. नौकरी में कार्यरत व्यक्तियों को योजनाबद्ध रूप से कार्य करने से लाभ होगा. माता से धन एवं वस्त्र प्राप्त होंगे. व्यापार में पिता से आर्थिक मदद मिलेगी.

वृषभ : आर्थिक पक्ष सुधरेगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य की बाधा दूर होने से धन लाभ होगा. नौकरी में धन एवं उपहार प्राप्त होंगे. सामाजिक कार्य में अत्यधिक धन व्यय करने से पूर्व आप सोच विचार अवश्य करें. दिखावे के लिए अपने समर्थ से अधिक धन व्यय करना ठीक नहीं होगा.

मिथुन : धन की आमदनी अपेक्षा से कुछ कम होगी. किसी महत्वपूर्ण कार्य के सफल होने से धन लाभ होगा. दलाली आदि के कार्य में संलग्न लोगों को धन लाभ होगा. स्वास्थ्य खराब होने से धन अत्यधिक व्यय होगा. संतान की पढ़ाई पर बैंक से जमा पूंजी निकाल कर खर्च करनी पड़ेगी.

कर्क : आप जल्द ही ऋण चुकाने में सफल होंगे. कोई पुराना कर्ज चुकाने से बड़ी राहत मिलेगी. व्यापार में किया गया पूंजी निवेश लाभकारी सिद्ध होगा. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा रुका हुआ धन प्राप्त होगा. नौकरी में मन चाहा पद मिलने से आय में वृद्धि होगी. राजनीति में लाभ का पद प्राप्त होगा.

सिंह : शुक्रवार को जीवनसाथी के कारण आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. व्यापार में नए सहयोगी लाभकारी सिद्ध होंगे. पैतृक धन संपत्ति में वृद्धि होगी. किसी महत्वपूर्ण पड़े अधूरे कार्य के पूरे होने से आय का नवीन स्रोत खुलेगा. कृषि कार्य में धन लाभ होगा.

कन्या : शुक्रवार के दिन धन के आगमन का इंतजार ही करते रहेंगे. लेकिन धन नहीं आएगा. सरकारी कार्य में संलग्न लोगों को धन लाभ हो सकता है. किसी महत्वपूर्ण कार्य के बनते बनते रुक जाने से धन आते-आते रुक जायेगा. परिवार में अनावश्यक धन खर्च करने की प्रवृत्ति परिजनों द्वारा देख आपके मन में भारी कष्ट होगा.

तुला : शुक्रवार के दिन आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. धन एवं संपत्ति में वृद्धि होगी. कोई पुराना भूमि विवाद सुलझ जाएगा. पशुपालन के कार्य में संलग्न लोगों को अच्छी आमदनी होगी. शिक्षा संस्थानों से जुड़े लोगों को सरकार की किसी योजना के कारण बड़ा लाभ होगा.

वृश्चिक : शुक्रवार के दिन आपको लाभ ही लाभ होगा. आप अपने कार्य को पूरे मनोयोग से करें. कीमती सामान खरीद कर घर लाएंगे. नौकरी में उच्च अधिकारी से कीमती उपहार अथवा धन प्राप्त होगा. विद्यार्थियों को अपने माता-पिता से मनचाहा उपहार प्राप्त होगा.

धनु : आप मिट्टी को पकड़ोगे तो वह सोना बन जाएगी. आप जहां प्रयास करेंगे वहां से आय होगी. मजदूर वर्ग को लाभ होगा. आजीविका चलने वाले लोगों को विशेष सफलता एवं लाभ होगा. धन लाभ होगा. नौकरी में अच्छी लग्न एवं ईमानदारी कार्यशैली से प्रभावित होकर आपके मालिक आपका वेतन बढ़ा देंगे.

मकर : बच्चों के खिलौने की व्यापार से जुड़े लोगों को विशेष लाभ होगा. ट्रैवल एजेंसी, टैक्सी ड्राइवर, परिवहन विभाग से जुड़े लोगों को सफलता एवं धन लाभ होगा. सेक्स वर्कर के कार्य में संलग्न लोगों को विशेष लाभ होने वाला है. उनकी आमदनी अच्छी होगी.

कुंभ : आपके एक अच्छे निर्णय के कारण आपको व्यापार में धन लाभ होगा. भवन निर्माण संबंधी कार्यों में लगे लोगों को आय बढ़ाने के संकेत प्राप्त होंगे. सुख उपभोग की वस्तुओं पर अत्यधिक धन खर्च हो सकता है. नौकरी में उच्च अधिकारियों से निकटता का लाभ मिलेगा. सट्टे आदि से बचें, अन्यथा बड़ी धन हानि हो सकती है. राजनीति में कोई लाभ का पद अथवा जिम्मेदारी मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी.

मीन : मीन राशि वालों को पैतृक धन संपत्ति मिल सकती है. किसी साथी से कीमती उपहार मिल सकता है. आपको धन की प्राप्ति होगी. आर्थिक एवं व्यापारिक योजनाओं का विस्तार होगा. किसी कार्य से आपको लाभ होगा. सफलता मिलेगी. पुराने आय स्रोतों की अनदेखा न करें. उन पर अधिक ध्यान दें. संपत्ति संबंधी विवादों को सुलझाने का प्रयास करें. उन्हें बढ़ाने न दें. आय व्यय में तालमेल बिठाएं.

एनडीए से पाएं गौरवपूर्ण करियर

एनडीए देश की सेवा करने का जज्बा मन में रखने वाले युवाओं के लिए एक शानदार और सम्मानजनक करियर विकल्प। सारे विश्व में भारतीय सेना को सम्मान की नजरों से देखा जाता है। जिन युवाओं में देशसेवा का भी जज्बा है, उनके लिए एनडीए (नेशनल डिफेंस अकादमी) एक अच्छा विकल्प है।

भारतीय सेना में शामिल होकर देश सेवा करना हर युवा की लिए गौरव की बात होती है। सेना के तीनों विंग्स में प्रवेश के लिए पहला पायदान है एनडीए की परीक्षा। संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएसी) द्वारा हर वर्ष दो बार एनडीए की परीक्षा आयोजित की जाती है। एनडीए की परीक्षा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं से काफी अलग होती है। अन्य परीक्षाओं में जहां प्रतिभागियों की मानसिक मजबूती देखी जाती है, तो वहीं इस परीक्षा में शारीरिक और मानसिक दोनों को परखा जाता है। इस परीक्षा को पास करने एनडीए अकादमी ट्रेनिंग के बाद कम उम्र में ही युवा भारतीय सेना सैन्य अधिकारी बन जाते हैं।

एनडीए की परीक्षा में शामिल होने के लिए योग्यता है आप भारत देश के नागरिक हों, अविवाहित हों। उम्र 16 से 19 वर्ष के बीच हो। वायुसेना और नौसेना विंग के लिए 12वीं में फिजिक्स और गणित होना आवश्यक है, वही आर्मी विंग के लिए किसी भी विषय में 12वीं पास शैक्षणिक योग्यता होना चाहिए।

एनडीए की परीक्षा में शामिल होने के मेडिकली फिट होना जरूरी है। ऊंचाई कम से कम 157.5 सेमी होना चाहिए। पहले परीक्षार्थी को लिखित परीक्षा से गुजरना पड़ता है। लिखित परीक्षा पास करने के बाद इंटरव्यू के लिए चुना जाता है।

एनडीए परीक्षा में दो प्रश्न पत्र होते हैं इंटरव्यू में कैंडिडेट की मेंटल स्ट्रेंथ को परखा जाता है। इंटरव्यू को क्लीयर करने के बाद मेडिकल परीक्षा होती है। मेडिकल में सफल होने के बाद एनडीए में प्रवेश मिल जाता है। एनडीए में प्रवेश के बाद होती है ट्रेनिंग की शुरुआत। तीन साल की कड़ी ट्रेनिंग के बाद आपको ग्रेज्युएशन की डिग्री दी जाती है। डिग्री मिलने के बाद सेना में बतौर लेफ्टिनेंट का पद मिलता है।

योग में बनाएं अपना करियर

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है।

यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं।

योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1.अध्यापन और अनुसंधान तथा 2.रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि केस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है।

इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं।

योग में प्रशिक्षण लेना बेहत जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं : वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं।

योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

ये हैं योग के संस्थान :

- डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा (उप्र)।
- अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती (महाराष्ट्र)।
- गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद (गुजरात)।
- गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार (उत्तरांचल)।

मोबाइल कभी न खत्म होने वाली जरूरत

मोबाइल रिपेयरिंग में करियर कैसा है?

हमारे देश में आज हर आदमी के हाथ में मोबाइल दिखने लगा है। जब मोबाइल है तो खराब भी होगा और खराब होगा तो उसे संभालने के लिए मैकेनिक भी चाहिए। ऐसे में मोबाइल रिपेयरिंग आय का एक अच्छा जरिया बनता जा रहा है, जो आगे बढ़ता ही जाएगा।

स्वरोजगार की दृष्टि से इस क्षेत्र में कितनी संभावनाएं हैं?

स्वरोजगार की दृष्टि से तो मोबाइल रिपेयरिंग का काम बहुत ही अच्छा है। जब कोई मोबाइल मैकेनिक कहीं नौकरी करता है तो एक लिमिट तक ही उसे वेतन मिलेगा, लेकिन जब वह अपना काम करेगा तो अनलिमिटेड कमा सकता है। यही नहीं, इसमें एक फायदा यह है कि कोई भी व्यक्ति जो कम पढ़ा-लिखा यानी केवल आठवीं पास हो, इस काम को कर सकता है। इसके अलावा कम पूंजी लगा कर इस काम को किया जा सकता है।

हर रोज नए-नए और सस्ते मोबाइल मार्केट में आ रहे हैं, ऐसे में रिपेयरिंग का काम तो धीरे-धीरे ठप हो जाएगा?

यह बात सही है कि आज हर रोज बाजार में नए-नए मॉडल और वो भी बहुत सस्ते दामों में उतारे जा रहे हैं। ऐसे में एक रिक्शे वाला भी आसानी से मोबाइल खरीद सकता है। लेकिन अगर वह एक बार एक हजार रुपए खर्च करके मोबाइल खरीदता है और वह खराब हो जाता है तो सौ-दो सौ रुपए लगा कर उसे ठीक भी कराता है, एकदम दूसरा नया सेट नहीं लेता। ऐसे में हर आम आदमी सेट को पहले ठीक ही कराएगा, जब तक कि वह बिल्कुल खराब नहीं हो जाता।

क्या ग्रामीण क्षेत्र में भी मोबाइल रिपेयरिंग का काम चल सकता है?

हां, क्यों नहीं चल सकता। मगर अब भी बहुत से गांव हैं, जहां बिजली है ही नहीं और अगर है तो उसकी आपूर्ति बहुत कम होती है। ऐसे में स्वरोजगार स्थापित करते समय इस बात का ध्यान रखना पड़ेगा कि जहां आप व्यवसाय करने जा रहे हैं, ऐसी कोई दिक्कत तो नहीं है।

एक मोबाइल मैकेनिक और क्या-क्या कर सकता है?

एक मोबाइल मैकेनिक मोबाइल रिपेयरिंग के अलावा नए मोबाइल्स की बिक्री कर सकता है। किसी कंपनी की एजेंसी ले सकता है। रिचार्ज कूपन बेच सकता है। मोबाइल का सामान बेच सकता है। किसी कंपनी का डिस्ट्रिब्यूटर बन सकता है। इसके अतिरिक्त डाउनलोडिंग, फ्लेशिंग, अपलोडिंग, चाइनीज फोन्स की लॉकिंग कर सकता है। कुछ अतिरिक्त पैसा लेकर ग्राहक को अतिरिक्त वारंटी दे सकता है।

आकर्षित करता है न्यूज रीडिंग

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में रोजगार के वैसे तो कई क्षेत्र हैं, लेकिन न्यूज रीडर व ट्रांसलेटर की मांग दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। कई भारतीय भाषाओं असमी, बंगाली, डोगरी, गुजराती, हिंदी, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, नेपाली, उडिया, पंजाबी, संस्कृत, तमिल और उर्दू में से किसी एक भाषा के साथ अंग्रेजी का ज्ञान रखने वाले को प्राथमिकता दी जाती है। मतलब कि उपरोक्त किसी भारतीय भाषा के साथ-साथ अंग्रेजी में ग्रेजुवेशन किया हो। आवेदक की आवाज अच्छी होनी चाहिए ताकि उससे खबर भी पढ़ाया जा सके।

वर्तमान समय में युवाओं को सबसे अधिक अपनी ओर आकर्षित करने वाला रोजगार क्षेत्र इलेट्रॉनिक मीडिया ही है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पैसा, चमक-दमक और रोजगार

की असीम संभावनाओं के कारण युवाओं की पहली पसंद बनता जा रहा है। वैसे तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में रोजगार के कई क्षेत्र हैं। टेलीविजन पर न्यूज एंकर को देखकर युवा पीढ़ी बहुत रोमांचित दिखती है। प्रतिदिन खुलने वाले न्यूज चैनलों की वजह से इस क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं भी बहुत अधिक बढ़ गई हैं। पैसा और शोहरत दोनो ही जरूरत है तो सिर्फ धैर्यपूर्वक काम करने वालों की। रेडियो से लेकर टेलीविजन तक सबमें इनकी आवश्यकता है। न्यूज रीडिंग के क्षेत्र में पैसा और शोहरत दोनों हैं। न्यूज रीडिंग के लिए प्रशिक्षण जरूरी है क्योंकि यह हुनर प्रशिक्षण एवं अनुभव से ही बेहतर तरीके से सीखा जा सकता है। न्यूज रीडिंग से जुड़ी अन्य बारीकियाँ प्रोफेशन में जुड़े रहने से अपने आप ही आ जाती हैं। लेकिन इसमें प्रशिक्षण के साथ-साथ खुद की काबिलियत एवं दक्षता भी बहुत मायने रखती है। किसी भी न्यूज की जान उसका प्रस्तुतीकरण ही होता है। चाहे प्रिंट मीडिया हो या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, दोनों में प्रभावी प्रस्तुतीकरण तभी संभव है जब आपको न्यूज से जुडी तमाम बारीकियाँ मालूम हों। एक सफल न्यूज रीडर बनने के लिए अभ्यर्थी को अंग्रेजी एवं हिंदी दोनों भाषाओं पर मजबूत पकड होनी आवश्यक है लेकिन माध्यम कोई भी हो, अंग्रेजी भाषा का ज्ञान ही आपको यथोचित पहचान दिला सकता है। आत्मविश्वास के साथ न्यूज के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर ही न्यूज रीडिंग का कार्य किया जा सकता है। शब्दों पर मजबूत पकड़ न्यूज रीडिंग के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों को उच्चारण पर विशेष ध्यान देना चाहिए है। क्योंकि जब तक शब्दों पर पकड़ मजबूत नहीं होगी तब तक अच्छे कार्यक्रम की प्रस्तुति नहीं हो सकती। सामान्य ज्ञान, समाचारों की समझ, आत्मविश्वास, हावभाव आदि से कई कारक हैं, जिनके सहारे एक अच्छा न्यूज रीडर बना जा सकता है। .अच्छी पर्सनालिटी करती है आकर्षित अच्छी पर्सनालिटी भी न्यूज रीडिंग के लिए बेहद जरूरी है। आकर्षक व्यक्तित्व के साथ यदि न्यूज का सेंस अच्छा हो, चेहरे के अनुकूल भाव हों और शब्दों का चयन उचित प्रकार से किया गया हो तभी एक सफल न्यूज रीडरमाना जा सकता है।

आप भी दादागिरी के शिकार तो नहीं?

अगर आप ऑफिस में किसी के बार-बार परेशान किये जाने पर मानसिक यंत्रणा भुगत रहे हैं, तो समझ लीजिए कि आप उसकी दादागिरी के शिकार हैं. हो सकता है कोई इरादतन आपको दफ्तर में नीचा दिखाने, अपमानित महसूस कराने या शर्मिंदा करने या आपके प्रदर्शन को कमजोर करने के लिए ऐसी हरकतें कर रहा हो. अगर वह सहकर्मी या फिर आपका बॉस ही है, तो भी उसकी हरकत को मजाक न समडों और न ही उससे डरें, बल्कि प्रबंधन के साथ इस समस्या का जिक्र करें. इसके लिए आप 'थ्री-एक्शन प्लान' को फॉलो कर बुलिंग से राहत पा सकते हैं. यह है व्यवहार, साक्ष्य और शिकायत. दफ्तर में बदमाशी करने वाले व्यक्ति के पद, व्यवहार, शब्दों के चयन और परिवेश को परखें. खुश शांत रहें और सबके बीच उसे संयत शब्दों से बता दें कि 'आप मुझे परेशान न करें, आपके कारण मेरा परफॉर्मेस खराब हो

रहा है.' अगर आपके कहने के बाद भी उस शख्स का व्यवहार न थमे, तो धीरज के साथ उसकी हरकतों की टाइमिंग नोट करें. साक्ष्य जमा करें तथा अपने सहकर्मियों से सलाह करें और उनमें कुछ को गवाह के तौर पर तैयार करें. अपनी लिखित शिकायत के साथ अपने एचआर प्रमुख या पर्यवेक्षक से मिलें. ध्यान रहे कि आपकी शिकायत में शख्स के लिए कोई सलाह न दी गयी हो. जैसे इसे नौकरी से निकाल दें, विभाग बदल दें आदि. इससे पहले खुद को जांचें. हो सकता है कि यह आपके मन का केवल भ्रम हो : लगातार अधूरी नींद, पारिवारिक माहौल की कड़वाहट भी आपमें साइकोलॉजिकल परिवर्तन करती है. तब आपको ऑफिस के लोगों में बुराई दिखने लगती है. उनका हर व्यवहार आपको अपमानित महसूस कराने वाला लगता है. यदि ऐसा है, तो आप किसी की दादागिरी के शिकार नहीं, बल्कि मानसिक विकार के शिकार हैं.

संक्षिप्त समाचार

मैग्नस कार्लसन से उनके घर पर खेलना चुनौतीपूर्ण नहीं: प्रग्गनानंदा

स्टावंगर, एजेंसी। नॉर्वे शतरंज के 12वें संस्करण के शुरू होने में एक हफ्ते से भी कम समय शेष रहते भारत के शतरंज खिलाड़ी प्रग्गनानंदा रमेशबाबू इस टूर्नामेंट में खेलने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। 27 मई से 7 जून तक होने वाले इस टूर्नामेंट में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन, विश्व चैंपियन डिंग लिरेन और विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामूरा सहित कई सितारे शामिल हैं। 18 वर्षीय रमेशबाबू ने कहा कि मैं नार्वे शतरंज में खेलने को लेकर रोमांचित और उत्साहित हूं। यह अब तक की सबसे मजबूत

फील्ड है जिसमें मैं खेला हूं। मैं इस टूर्नामेंट को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए एक मौके और चुनौती के रूप में देख रहा हूँ। मैं इस टाइम कंट्रोल टूर्नामेंट की तरफ देख रहा हूं जो मैं अभी तक कहीं नहीं खेला हूं। पिछले वर्ष फिडे शतरंज विश्व कप में कार्लसन के साथ अपने मुकाबले को याद करते हुए रमेशबाबू ने कहा कि मैं हमेशा अच्छी चुनौती पसंद करता हूं। पिछले वर्ष विश्व कप के बाद यह मेरा कार्लसन के साथ पहला क्लासिकल मुकाबला होगा। मैं उनके और अन्य के साथ खेलने को लेकर खासा रोमांचित हूं। यहां मिले अनुभव का मुझे भविष्य के टूर्नामेंटों में फायदा होगा। रमेशबाबू ने कहा कि कार्लसन के साथ उनके घर पर खेलना बड़ा चैलेंज नहीं है। आम तौर पर यह उस खिलाड़ी के लिए मायने रखता है जो अपने घर में खेल रहा होता है। लेकिन इसका मुझ पर कोई असर नहीं होगा। टूर्नामेंट डबल राउंड रोबिन फॉर्मेट में खेला जाएगा। क्लासिकल टाइम कंट्रोल फॉर्मेट के इस टूर्नामेंट में हर खिलाड़ी को 40 चालों के लिए 120 मिनट मिलेंगे। हर चाल के साथ 10 सेकंड का इंक्रीमेंट होगा।

ट्रेविस हेड के विकेट ने मुझे विश्व कप 2015 की याद दिलाई: वॉटसन

अहमदाबाद, एजेंसी। मिचेल स्टार्क ने ट्रेविस हेड को गोल्डन डक पर आउट कर आईपीएल 2024 क्वालीफायर 1 में कोलकाता नाइट राइडर्स की आठ विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई। मंगलवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मैच की दूसरी गेंद पर स्टार्क ने ट्रेविस हेड को बोल्ड किया। फिर, स्टार्क ने पांचवें ओवर में बैक टू बैक गेंदों पर नीतीश कुमार रेड्डी और शाहबाज अहमद को आउट कर हैदराबाद को बैकफुट पर धकेल दिया।

थम गया दिनेश कार्तिक का सफर

आईपीएल से लिया संन्यास?

कोहली ने गले लगाया, धोनी से इस मामले में थे सीनियर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिनेश कार्तिक यानी डीके ने इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास लेने का फैसला किया है. हालांकि दिनेश कार्तिक की ओर से इस बात का ऐलान नहीं हुआ. पर लाइव टीवी प्रसारण के दौरान इस बात की जानकारी दी गई कि दिनेश कार्तिक ने आईपीएल के सफर को विराम दे दिया है. अपने 16 साल के आईपीएल सफर में कार्तिक ने 6 आईपीएल टीमों की ओर से खेला. कार्तिक ने एलिमिनेटर मुकाबले के बाद जिस तरह से टीम के साथियों से मिले और दर्शकों का अभिवादन किया, उससे यह तय हो गया है कि अब कार्तिक के आईपीएल सफर को विराम लग गया है. बुधवार (22 मई) को आरसीबी के आईपीएल 2024 एलिमिनेटर में राजस्थान से हारने के बाद अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने संकेत दिया कि यह उनका आखिरी आईपीएल मैच है.

कार्तिक का 2024 का सफर

कार्तिक ने एक बार फिर फिनिशर की भूमिका निभाते हुए आईपीएल 2024 के 15 मैचों में 326 रन बनाए. कार्तिक ने अपने प्रदर्शन से खुद को टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह बनाने की दौड़ में वापस ला दिया था. भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने अनुभवी विकेटकीपर के साथ मैदान पर मजाक में कार्तिक से यह भी कहा था कि डीके अभी वर्ल्ड कप खेलना है, यह वीडियो खूब वायरल हुआ था.

धोनी से पहले किया था इंटरनेशनल डेब्यू

यहां ध्यान रहे कि कार्तिक का इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू एमएस धोनी से पहले हुआ था. दिनेश कार्तिक ने नवंबर 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू किया था. वहीं वनडे डेब्यू 5 सितंबर 2004 को इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में किया. वहीं टी20 डेब्यू 1 दिसंबर 2006 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ जोहानिसबर्ग में किया था.

आईपीएल के कारण डीके को वर्ल्ड कप टीम में मिली जगह

कार्तिक ने आईपीएल में अपनी उम्र को केवल नंबर गेम बनाकर रख दिया था. आरसीबी में शामिल होने के बाद तो डीके अलग ही अंदाज में खेल रहे थे. आरसीबी के साथ आईपीएल 2022 में कार्तिक का अविश्वसनीय प्रदर्शन रहा था. यहां उन्होंने 330 रन 183 के स्ट्राइक रेट से बनाए थे, जिसके बाद उनका सेलेक्शन टी20आई वर्ल्ड कप की टीम में हुआ.

दिनेश कार्तिक का इंटरनेशनल क्रिकेट करियर

दिनेश ने 26 टेस्ट खेलते हुए 1025 रन बनाए इस दौरान 57 कैच और 6 स्टम्प भी किए. वहीं 94 वनडे में टीम इंडि?या का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने 1752 रन बनाए, इस दौरान उन्होंने 64 कैच और 7 स्टम्प भी किए. वहीं 60टी20 मैच खेलते हुए उन्होंने 686 रन बनाए,

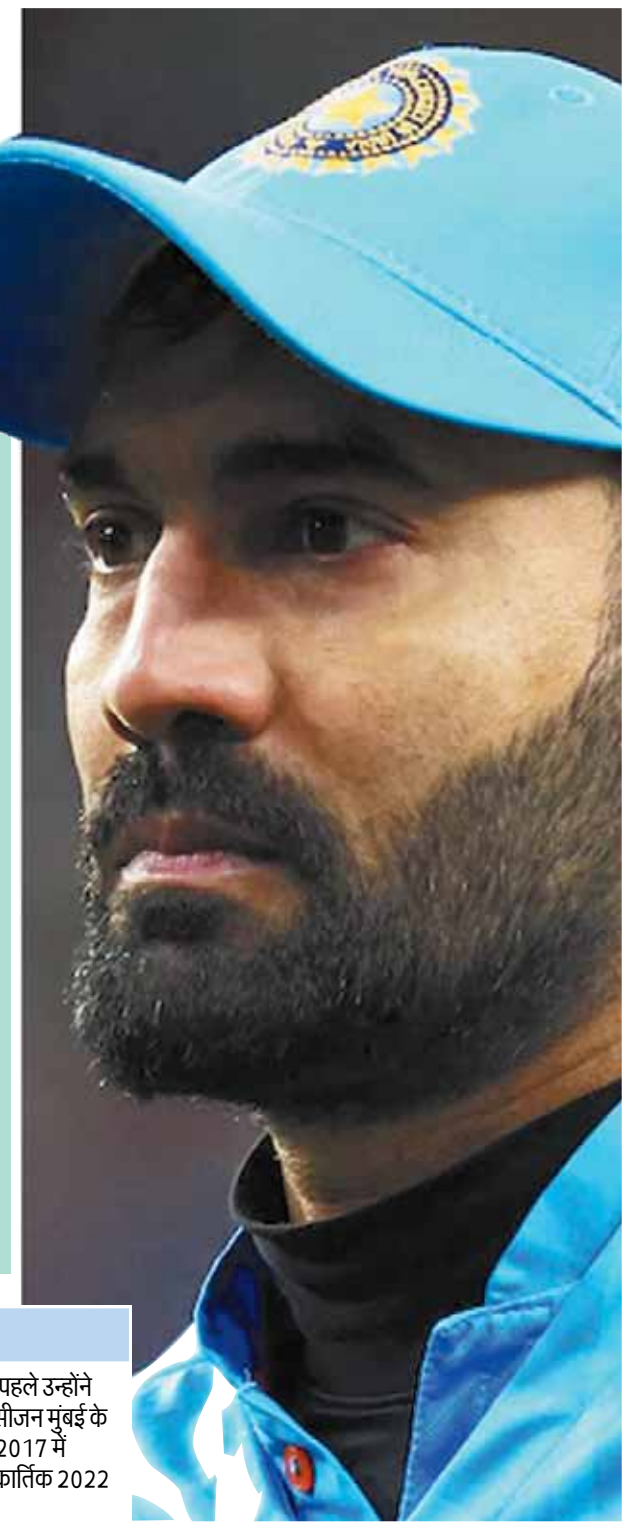

कार्तिक का आईपीएल करियर

दिनेश कार्तिक आईपीएल के शुरुआती सीजन से अब तक खेलने वाले खिलाड़ियों में शुमार रहे. उन्होंने 257 मैचों में 22 अर्धशतक लगाकर 4842 रन बनाए. कार्तिक आईपीएल के इतिहास टॉप 10 रन बनाने वाले ख?लाड़ि?यों में शामिल हैं. इस दौरान कार्तिक ने 147 कैच और 37 स्टम्प भी किए.

आईपीएल में 6 टीमों से खेले कार्तिक

दिनेश कार्तिक ने अपने आईपीएल करियर में छह टीमों का प्रतिनिधित्व किया है. 2011 में पंजाब जाने से पहले उन्होंने 2008 में दिल्ली डेयरडेविल्स के साथ शुरुआत की. 2014 में दिल्ली वापस जाने से पहले उन्होंने अगले दो सीजन मुंबई के साथ बिताए. 2015 में आरसीबी ने शामिल किया. इसके बाद चार सीजन बिताने से पहले वो 2016 और 2017 में गुजरात लायंस के लिए खेले. फिर वो केकेआर टीम में वापस आए, इस टीम का उन्होंने नेतृत्व भी किया. कार्तिक 2022 में आरसीबी में लौटे और फिनिशर की भूमिका को बखूबी निभाया.

भारत के कोच पद के लिए आवेदन नहीं किया, करूंगा भी नहीं: एंडी फ्लावर

अहमदाबाद, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर की भारतीय कोच पद के लिए दावेदारी पेश करने की कोई योजना नहीं है। जिम्बाब्वे के इस पूर्व कप्तान ने आईपीएल प्लेऑफ से अपनी टीम के बाहर होने के बाद इसकी पुष्टि की। राहुल द्रविड़ टी20 विश्व कप के बाद भारत के मुख्य कोच का पद छोड़ देंगे और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 27 मई तक नए कोच के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। फ्लावर ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'मैंने आवेदन नहीं किया है। मैं आवेदन नहीं करूंगा। मैं फिलहाल फ्रेंचाइजी लीग से जुड़कर खुश हूं। माना जा रहा है कि गौतम गंभीर से संपर्क किया गया है लेकिन ना तो भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और ना ही बीसीसीआई के अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है।

पोंटिंग ने भारत के मुख्य कोच का प्रस्ताव ठुकराया

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने खुलासा किया है कि जल्द ही खाली होने वाले भारत के मुख्य कोच के पद के लिए उनसे संपर्क किया गया था लेकिन उन्होंने इस पेशकश को अस्वीकार कर दिया क्योंकि यह अभी उनकी 'जीवनशैली में फिट नहीं बैठता। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच के रूप में सात सत्र पूरे करने वाले पोंटिंग इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के अंतरिम टी20 कोच रह चुके हैं।

उन्होंने यह नहीं बताया कि भारतीय कोच के पद के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से कोई सुझाव आया था या नहीं। पोंटिंग ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, 'आईपीएल के दौरान कुछ आमने-सामने की बातचीत हुई थी, ताकि पता चल सके कि इस पद में मेरी दिलचस्पी है या नहीं। उन्होंने कहा, 'मैं राष्ट्रीय टीम का सीनियर कोच बनना पसंद करूंगा लेकिन मेरे जीवन में अन्य चीजें हैं और मैं घर पर कुछ समय बिताना चाहता हूं...हर कोई जानता है कि अगर आप भारतीय टीम के साथ काम करोगे तो आप आईपीएल टीम में शामिल नहीं हो सकते। पोंटिंग ने कहा, 'इसके अलावा राष्ट्रीय मुख्य कोच साल में 10 या 11 महीने की नौकरी है, और मैं इसे करना चाहता हूं, यह अभी मेरी जीवनशैली और उन चीजों में फिट नहीं बैठता है जिन्हें मैं वास्तव में करना पसंद करता हूं। पोंटिंग ने कहा कि उन्होंने अपने बेटे के साथ इस प्रस्ताव पर चर्चा की और वह भारत आने के लिए तैयार लग रहा था।

कहा- मेरी जीवनशैली में फिट नहीं बैठता

व्यापार

खराब कोयला बेचने के आरोप: बाजार ने अदाणी समूह से जुड़ी नकारात्मक खबरों को किया खारिज, मार्केट कैप बढ़ना जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी समूह के बाजार पूंजीकरण में बुधवार को लगातार नौवें दिन बढ़त जारी रही। समूह का बाजार पूंजीकरण बुधवार को 16.5 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया, पिछले नौ कारोबारी सत्रों में इसमें 10.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह तेजी उस दिन भी जारी रही जब लंदन स्थित फाइनेंशियल टाइम्स ने जॉर्ज सोरोस समर्थित ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) के दस्तावेजों का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट में अदाणी समूह पर धोखाधड़ी करने और वर्ष 2013 में तमिलनाडु जनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी को उच्च मूल्य वाले ईंधन के रूप में निम्न श्रेणी का कोयला बेचने का आरोप लगाया। इससे पता चलता है कि बाजारों ने फाइनेंशियल टाइम्स की ओर से समूह के बारे में की गई।

दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला पर सरकार ने लगाया जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने बुधवार को कंपनी अधिनियम के तहत महत्वपूर्ण लाभकारी स्वामित्व नियमों के उल्लंघन को लेकर माइक्रोसॉफ्ट की कंपनी लिंक्डइन इंडिया माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला और अन्य लोगों पर जुर्माना लगाया। मार्केट कैप के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने दिसंबर, 2016 में प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन का अधिग्रहण किया था। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज ने लिंक्डइन इंडिया, नडेला, लिंक्डइन के सीईओ रेयान रोस्लान्स्की और सात अन्य व्यक्तियों पर कुल 27,10,800 रुपये का जुर्माना लगाया है। महत्वपूर्ण लाभकारी स्वामित्व नियमों के उल्लंघन के लिए लिंक्डइन इंडिया पर सात लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। वहीं नडेला और रोस्लांस्की पर क्रमश दो-दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आदेश में जिन अन्य व्यक्तियों पर जुर्माना लगाया गया है उनमें कीथ रेंजर डॉलिवर, बेंजामिन ओवेन ऑर्नडॉर्फ, मिशेल कैटी लेउंग, लिसा एमिको सातो, आशुतोष गुप्ता, मार्क लियोनार्ड नाद्रेस लेगास्पी और हेनरी चिनिंग फोंग शामिल हैं। लिंक्डइन इंडिया की स्थापना माइक्रोसॉफ्ट समूह की सहायक कंपनी के रूप में की गई है। इस आदेश की प्राप्ति की तारीख से 60 दिन के भीतर क्षेत्रीय निदेशक (एनआर) के पास आदेश के खिलाफ अपील दायर की जा सकती है।

आईआईटी 2024 बैच के 7,000 से अधिक छात्रों को अब तक नहीं मिली नौकरी

नई दिल्ली, एजेंसी। एक जमाना था कि हायरिंग सीजन शुरू होने से एक दिन पहले ही आईआईटी संस्थानों के बाहर कंपनियों की भीड़ लग जाती थी। लेकिन साल 2024 के बैच को अपने पेशेवर करियर की शुरुआत में ही कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। आईआईटी के सभी 23 परिसरों में करीब 38छात्रों को प्लेसमेंट नहीं मिला है। आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र धीरज सिंह के आरटीआई आवेदनों के जवाब में यह बात सामने आई है। आईआईटी दिल्ली ने अपने पूर्व छात्रों को मेल भेजकर मौजूदा बैच को नौकरी दिलाने या इंजीनियरों को नौकरी देने वाली कंपनियों को सिफारिश करने में मदद मांगी है। आईआईटी-बॉम्बे और बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस ने भी अपने पूर्व छात्रों से संपर्क किया है।

आईआईटी-दिल्ली ने संस्थान के पूर्व छात्रों को भेजे ईमेल में कहा कि शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए प्लेसमेंट सत्र खत्म होने के करीब पहुंच चुका है लेकिन हमारे लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। हमारे सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, लगभग 400 छात्रों को अभी भी नौकरी नहीं मिल पाई है। इसके मद्देनजर, हम अपने पूर्व छात्रों के नेटवर्क से संपर्क कर रहे हैं, ताकि स्नातक छात्रों के लिए नौकरी के अवसर प्रदान करने में आपकी सहायता मिल सके। इस मामले में आपका समर्थन और प्रयास न केवल बहुत सराहनीय होगा, बल्कि इन छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भी काम करेगा क्योंकि वे अपनी पेशेवर यात्रा शुरू कर रहे हैं।

क्या है कारण

बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस ने दो महीने पहले पहली बार अपने पूर्व छात्रों से संपर्क किया था, और कई अन्य संस्थानों ने भी ऐसा किया था। आईआईटी-बॉम्बे ने भी मदद के लिए पूर्व छात्रों से भी संपर्क किया है। हालांकि प्लेसमेंट अभी भी जारी है और जून के अंत तक चलेगा, लेकिन प्लेसमेंट में भाग लेने वाले बैच के लगभग 10या 250 छात्रों को अभी तक नौकरी नहीं मिली है। आरटीआई से मिले जवाब के मुताबिक पिछले साल 329 उम्मीदवारों को नौकरी नहीं मिली और उनमें से 2022 की कक्षा के 171 उम्मीदवार नौकरी पाने में असफल रहे।

बिट्स ग्रुप के कुलपति वी रामगोपाल राव ने कहा कि हर जगह प्लेसमेंट 20से 30कम है। अगर कोई संस्थान कह रहा है कि सभी छात्रों को प्लेसमेंट मिल गया है, तो नौकरियों की क्वालिटी में कमी की गुंजाइश है। यह पहला साल है जब चैटजीपीटी और बड़े लेंग्वेज मॉडल ने अपना असर दिखाना शुरू किया है। अगर दो लोग तीन लोगों का काम कर सकते हैं, तो हम पहले ही हायरिंग में 30की कमी कर चुके हैं। पहले ही बहुत ज्यादा हायरिंग हो चुकी है। कई देशों में इस साल चुनाव हो रहे हैं, इसलिए कंपनियां इंतजार करो और देखो की नीति अपना रही हैं। सिंह ने कहा, इस वर्ष सभी 23 आईआईटी में 7,000 से अधिक आईआईटी छात्रों को अभी तक कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी नहीं मिली है। दो साल पहले, यह संख्या आधी यानी 3,400 थी। प्लेसमेंट में बैठने वाले छात्रों की संख्या 1.2 गुना बढ़ गई है, वहीं दो वर्षों में नौकरी न मिलने वाले छात्रों की संख्या दोगुनी होकर 2.3 गुना हो गई है।

प्रोत्साहन योजना से बाहर होंगी हीरो इलेक्ट्रिक और बेनलिंग

गलत तरीके से दोनों कंपनियों ने ली सब्सिडी

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बनाने वाली हीरो इलेक्ट्रिक और बेनलिंग इंडिया को भविष्य में किसी भी सरकारी प्रोत्साहन योजना में शामिल होने से रोक दिया गया है। दोनों को भारी उद्योग मंत्रालय की सभी योजनाओं से दो साल के लिए बाहर कर दिया गया है। दोनों ने इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में तेजी लाने की मंत्रालय की योजना के दूसरे चरण (फेम-2) में दी गई सब्सिडी नहीं लौटाई है।

सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, जांच में पता लगा है कि दोनों कंपनियों ने चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम का उल्लंघन किया है। सरकार सब्सिडी नहीं लौटाने वाली इन दोनों कंपनियों से 200 करोड़ रुपये वापस मांग रही है। मंत्रालय ने उल्लंघन करने वाली सभी कंपनियों- हीरो इलेक्ट्रिक,

ओकीनावा, एम्पीयर व्हीकल्स (ग्रीव्स कॉटन), बेनलिंग इंडिया, रिवॉल्ट इंटेलिकॉर्प और एमो मोबिलिटी को पिछले साल मई में ही फेम योजना से बाहर कर दिया था। छहों कंपनियों से कुल 469 करोड़ रुपये के करीब लौटाने को कहा गया था। इन छह कंपनियों में एमो मोबिलिटी, ग्रीव्स इलेक्ट्रिक और रिवॉल्ट इंटेलिकॉर्प ने सब्सिडी की रकम ब्याज के साथ लौटा दी। मगर हीरो इलेक्ट्रिक, ओकीनावा और बेनलिंग ने सब्सिडी व प्रोत्साहन की रकम वापस नहीं की। इस कारण अक्तूबर व नवंबर में उनके नाम हटा दिए गए। फेम-2 में हीरो इलेक्ट्रिक ने 133 करोड़, ओकीनावा ने 116 करोड़ और बेनलिंग ने 48 करोड़ रुपये सब्सिडी का दावा किया था।

ओकीनावा ऑटोटेक अदालत पहुंची - ओकीनावा ऑटोटेक डिफॉल्ट करने वाली इकलौती कंपनी है, जिसका नाम अभी तक नहीं काटा गया। वह दिल्ली हाई कोर्ट पहुंच चुकी है।

हीरो इलेक्ट्रिक ने भी सब्सिडी लौटाने से बचने के लिए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। एक अधिकारी ने कहा, हम इन कंपनियों को सरकार की सभी योजनाओं से किनारे करने के लिए वित्त मंत्रालय को एक प्रस्ताव सौंपेंगे।

इश्क विश्क का सीक्वल और रीमेक नहीं है इश्क विश्क रिबाउंड

फिल्म 'इश्क विश्क रिबाउंड' का पहला गाना रिलीज हो चुका है। दर्शक गाने को काफी पसंद कर रहे हैं। इस फिल्म के बारे में लोगों के मन में कई सवाल है। कुछ लोग इसे इश्क विश्क का सीक्वल बता रहे हैं तो कुछ का कहना है कि यह फिल्म इश्क विश्क का रीमेक है। इसी बीच फिल्म के अभिनेता रोहित सराफ ने इन सवालों का जवाब देते हुए सीक्वल और रीमेक से जुड़ी तमाम चर्चाओं पर विराम लगा दिया है।

न सीक्वल है और न ही रीमेक

रोहित सराफ ने कहा कि उनकी फिल्म 'इश्क विश्क रिबाउंड' न तो इश्क विश्क का सीक्वल है और न ही रीमेक। आपको बता दें कि इश्क विश्क साल 2003 में रिलीज हुई थी। यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जिसमें शाहिद कपूर और अमृता राव ने अभिनय किया था। दर्शकों ने फिल्म को काफी सराहा था।

ऐसी फिल्म में काम करना दुर्लभ मौका है

मुंबई में आयोजित हुए एक कार्यक्रम में बातचीत करते हुए रोहित सराफ ने कहा कि दोनों एक ही फ्रेंचाइजी की फिल्में हैं, लेकिन इसके बावजूद 'इश्क विश्क रिबाउंड' की कहानी पूरी तरह से नई है। साथ ही उन्होंने कहा कि उनके जैसे नए अभिनेता के लिए ऐसी फिल्म में काम करना एक दुर्लभ मौका है।

21 जून को होगी रिलीज

'इश्क विश्क रिबाउंड' में रोहित सराफ, पश्मीना रोशन, नैला ग्रेवाल और जिब्रान खान मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेत्री पश्मिना, ऋतिक रोशन की कजिन है और इस फिल्म से वो बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। फिल्म का निर्देशन का निपुण अविनाश धर्माधिकारी ने किया है। फिल्म 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हीरामंडी को लेकर ऋचा चड्ढा को लग रहा था डर

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में लज्जो का किरदार सबके दिलों को छू गया। ऋचा चड्ढा ने इस छोटे से किरदार के लिए जितनी मेहनत की उसका फल उन्हें साफतौर पर मिला है। एक डांस सीक्वेंस के लिए 99 टेक देना और 10 किलो से ज्यादा वजन का आउटफिट पहनकर परफॉर्म करना ऋचा चड्ढा के लिए आसान नहीं था, वो भी तब जब उनका रोल सिर्फ शुरुआती कुछ एपिसोड के लिए रहना था। ऋचा चड्ढा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें शुरू में लगा कि 8 एपिसोड वाली इस सीरीज में उनका रोल कहीं खोकर रह जाएगा। समाचार एजेंसी पीटीआई के साथ बातचीत में ऋचा चड्ढा ने बताया, मुझे खुशी है कि जो मैंने रिस्क लिया था उसका फल मिला। क्योंकि यह जाहिर तौर पर बहुत रिस्की किरदार था। यह बहुत छोटा रोल था और हमेशा इस बात का रिस्क बना हुआ था कि 8 एपिसोड लंबी सीरीज में कहीं यह किरदार खो ना जाए। खासतौर पर तब, जब सीरीज में सब एक से बढ़कर एक कलाकार हैं। तो इसी वजह से बस मुझे थोड़ा डर लग रहा था कि कहीं यह किरदार खो ना जाए। मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि ऐसा नहीं हुआ। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए ऋचा चड्ढा ने कहा, लज्जो जैसी लड़कियां हमारे आसपास ही हैं। शायद यही वजह है कि इस रोल को इतना प्यार मिल रहा है, वो भी तब जब हम एक 1940 के किरदार की बात कर रहे हैं और आज हम 2024 में जी रहे हैं। इस किरदार के लिए लोगों की संवेदनाएं हैं क्योंकि कभी ना कभी, किसी ना किसी मोड़ पर हर किसी का दिल टूटा है। मुझे अभी तक कोई भी ऐसा इंसान नहीं मिला है जिसने कहा हो कि उसे यह किरदार अच्छा नहीं लगा। सभी लज्जो से रिलेट कर पा रहे हैं। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी वेब सीरीज हीरामंडी ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है और इसे दर्शकों का बेशुमार प्यार मिल रहा है। सीरीज में ऋचा चड्ढा के अलावा मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, शेखर सुमन और अध्ययन सुमन ने अहम किरदार निभाए हैं। सीरीज की कहानी आजादी की लड़ाई में तवायफों के योगदान की कहानी है जिसे वक्त के साथ भुला दिया गया।

सस्पेंस, रोमांस, हॉरर, थ्रिलर से भरपूर होंगी कार्तिक की आगामी फिल्में

कार्तिक आर्यन उन बॉलीवुड अभिनेताओं में से हैं, जिनकी फिल्मों का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस साल कार्तिक की कई बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इन फिल्मों में आपको इमोशन, हॉरर, रोमांस, सस्पेंस और थ्रिलर देखने को मिलेगा। इन दिनों कार्तिक आर्यन अपनी आगामी चंदू चैंपियन को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है। इस ट्रेलर की जो सबसे खास बात है वो है कार्तिक का बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन। इस ट्रेलर में कार्तिक का लुक जबरदस्त लग रहा है। बता दें कि कबीर खान निर्देशित फिल्म चंदू चैंपियन का ट्रेलर 18 मई को लॉन्च कर दिया गया। चंदू चैंपियन फिल्म की कहानी मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित है। मुरलीकांत पेटकर भारत के पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट हैं। उन्होंने 50 मीटर फ्रीस्टाइल स्विमिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है। मुरलीकांत पेटकर को पद्म श्री भी मिल चुका है। यह फिल्म 14 जून 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। भूल भुलैया 3 में कार्तिक फिर से एक बार रूह बाबा के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में कार्तिक के अलावा विद्या बालन और तृप्ति डिमरी नजर आएंगी। विद्या बालन फिल्म में मंजुलिका के रूप में वापसी करेंगी। ऐसे में इस फिल्म को लेकर लोगों का उत्साह काफी बढ़ गया है। भूल भुलैया 3 का निर्देशन अनीस बजमी ने किया है। इसका प्रोडक्शन भूषण कुमार ने संभाला है।

रवीना ने की दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग की तारीफ, बताया अन्तर

रवीना टंडन फिल्म इंडस्ट्री में अपनी बेहतरीन एक्टिंग और फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने ना सिर्फ हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री में काम किया है, बल्कि दक्षिण की कई फिल्मों में भी अपना हुनर दिखाया है।दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की तारीफ करते हुए रवीना टंडन ने कहा कि साउथ इंडस्ट्री में छोटी सी टीम के साथ बहुत शानदार काम किया जाता है जबकि बॉलीवुड में उसी काम के लिए ज्यादा लोगों को जरूरत पड़ती है। राजश्री अनप्लग्ड चैनल पर दिए एक इंटरव्यू में रवीना टंडन ने फिल्म 'तकदीरवाला' (1995) की शूटिंग के दौरान का अनुभव शेयर किया। उन्होंने बताया कि साउथ इंडस्ट्री बहुत कम बजट में अच्छा काम कर लेती है। उन्होंने बताया, हमने मॉरीशस में सिर्फ 9 लोगों की टीम के साथ 5 गाने शूट किए थे। कोई लाइट मैन नहीं, कोई जनरेटर नहीं, कोई लाइट नहीं, कुछ भी नहीं था। उन्होंने गानों को 2 छोटे लाइट और केवल रिफ्लेक्टर के साथ सिल्वर फॉइल लगाकर शूट किया था। आप उन गानों की क्वालिटी देखिए। इसके बाद रवीना टंडन ने कहा कि हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री में शूट होने वाले गानों को लेकर बात की। उन्होंने कहा, जब मैं मुंबई में शूटिंग करती थी और हम बाहर स्विट्जरलैंड या फिर किसी दूसरी जगह जाते थे, तो साथ में 200 लोगों का क्रू जाता था। मैं कहती थी कि इसकी जरूरत क्या है। जब हम यह काम सिर्फ 10 लोगों के साथ कर सकते हैं।

अदिति राव ने सुनाया फिल्म 'वजीर' का किस्सा

संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' में काम करने के बाद से ही अदिति राव हैदरी हर तरफ चर्चा में हैं। सीरीज में उनकी एक्टिंग और डांस दोनों की तारीफ हो रही है। 2006 में ऑन-स्क्रीन डेब्यू करने के बाद से अदिति ने कई स्टार्स के साथ काम किया है। हाल ही में, उन्होंने बिजॉय नांबियार की फिल्म 'वजीर' में अमिताभ बच्चन के साथ काम करने के बारे में खुलासा किया।

बातचीत के दौरान इसे एक खूबसूरत एक्सपीरियंस बताते हुए उन्होंने कहा- जब मुझे बताया गया कि मैं 'वजीर' में काम करूंगी तो मैं सचमुच खुशी से उछल पड़ी थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिलेगा। उनके आस-पास रहना सपने जैसा था। उनके औरा में वो बात है कि जैसे वह कमरे में आते हैं, आपको अपने आप ही खड़े होने का मन करता है।

को-एक्टर्स की मदद करते हैं अमिताभ

अदिति ने कहा- जब वह सेट पर होते हैं तो उनमें बच्चों जैसा एक्साइटमेंट भी होता है। उस पूरी फिल्म के दौरान वह व्हीलचेयर पर थे और सेट पर उस पर बैठकर घूमते रहते थे। उन्होंने यह भी कहा कि अमिताभ बच्चन कभी भी अपनी वैन में आराम करने के लिए सेट नहीं छोड़ते। अदिति ने एक उदाहरण सुनाया जो उनकी 'काइंडनेस' को दिखाता है। हम एक सीन शूट कर रहे थे जिसमें वह मुझसे बात कर रहे हैं, मैं बस सुन रही हूं, और इसमें एक बहुत बड़ा कन्वर्सेशन था। कैमरा उनके ऊपर और मेरे कंधे पर था। जब वह अपने डायलॉग बोल रहे थे तो मैं बस उन्हें देख रही थी और रोने लगी। और फिर, मेरे डायलॉग बोलने की बारी थी। मैंने सोचा वो इतने बड़े एक्टर हैं, अब उनकी जगह कोई और मुझे क्यूज देगा, लेकिन मैं बेवकूफ थी। क्योंकि उन्होंने पूरे इमोशन के साथ, पूरे दिल से, उसी तरह मेरे लिए दोबारा सीन किया, जैसे उन्होंने अपने लिए किया था। वो अपने को-स्टार्स की पूरी मदद करते हैं। अदिति ने बताया कि 'वजीर' के लिए उन्हें ज्यादा एक्साइटमेंट यह जानकर हुआ कि इसको बॉलीवुड के फेमस फिल्ममेकर विधु विनोद चोपड़ा प्रोड्यूस कर रहे थे। उन्होंने मेरा स्क्रीनटेस्ट देखा और कहा- मुझे यह लड़की पसंद है। अदिति ने कहा- मुझे नहीं लगता कि उन्होंने पूरा स्क्रीनटेस्ट देखा भी होगा।

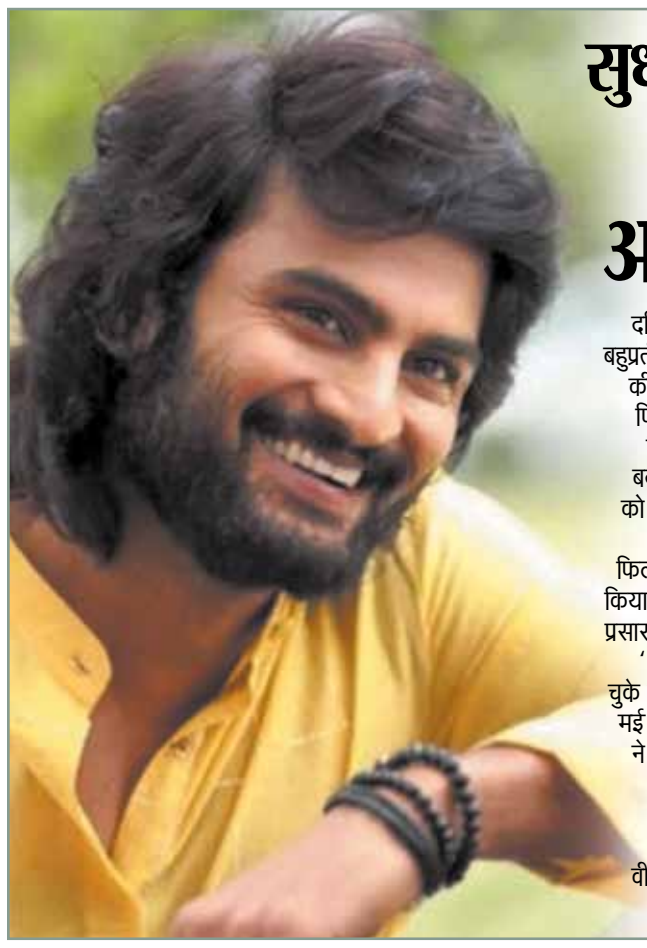

सुधीर बाबू की फिल्म 'हरोम हारा' की रिलीज तारीख में बदलाव अब इस दिन होगी रिलीज

दक्षिण भारतीय अभिनेता सुधीर बाबू की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'हरोम हारा' की रिलीज की तारीख में बदलाव कर दिया गया है। फिल्म का निर्देशन ज्ञानसागर द्वारका ने किया है। फिल्म की रिलीज तारीख में बदलाव के कारण अभिनेता के प्रशंसको को मायूसी का सामना करना पड़ रहा है। अभिनेता सुधीर बाबू के जन्मदिन पर फिल्म का गीत 'द मुरुगन सॉन्ग' रिलीज किया गया था। हालांकि, फिल्म का प्रचार-प्रसार जोरों पर है। टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'बागी' में खलनायक की भूमिका निभा चुके सुधीर बाबू की फिल्म इससे पहले 31 मई को रिलीज होने वाली थी। अब मेकर्स ने फिल्म की तारीख को आगे बढ़ा दिया है। निर्माताओं ने फिल्म से जुड़ा एक वीडियो जारी कर घोषणा की है कि ये फिल्म अब 14 जून को रिलीज होगी। वीडियो में सुधीर बाबू हाथ में बंदूक लिए नजर आ रहे हैं।

मालविका शर्मा निभाएंगी मुख्य भूमिका

श्री सुब्रह्मण्येश्वर सिनेमाज के बैनर तले सुमंत जी नायडू द्वारा निर्मित इस फिल्म में मालविका शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। 'हारोम हारा' 1989 में 'चित्तूर' जिले के 'कुप्पम' की पृष्ठभूमि पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म है।

बागी से मिली हिंदी पट्टी में पहचान

सुधीर बाबू को हिंदी पट्टी के दर्शकों के बीच टाइगर श्रॉफ और श्रद्धा कपूर की फिल्म 'बागी' में खलनायक की भूमिका से पहचान मिली। हालांकि, दक्षिण में उन्होंने कई सारी फिल्मों में बतौर हीरो काम किया है। जिसमें 'मामा मश्चेंद्र', 'सम्मोहनम', 'प्रेम कथा चित्रम' और अन्य फिल्में शामिल हैं।

मनोज बाजपेयी ने बॉलीवुड को दूसरी इंडस्ट्री के मुकाबले बताया बहुत छोटी

फिल्म अभिनेता मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। वह उज्जैन महाकाल दर्शन करने गए और इंदौर में मीडिया के सवालों के जवाब भी दिए। मंगलवार 21 मई को अपनी आगामी फिल्म भैयाजी के प्रमोशन दौरान उन्होंने प्रेस से राजनीति में आने से लेकर इंडस्ट्री के बारे में बात की और दिलचस्प रिएक्शन भी दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, मनोज बाजपेयी ने राजनीति में आने के सवाल पर कहा कि इसकी दुनिया मुझे समझ में नहीं आती, इसलिए इसमें नहीं जाऊंगा। वहीं, 100 फिल्में पूरी होने के सवाल पर मनोज वाजपेयी ने कहा, बॉलीवुड दूसरे इंडस्ट्रीज के मुकाबले बहुत छोटी और कठिन इंडस्ट्री है। जब आप गांव में होते है तो वहां की पंचायत बहुत कठिन होती है। लोग कहते हैं कि लोकसभा का चुनाव सबसे कठिन होता है, मैं कहता हूं पंचायत में सरपंच का चुनाव सबसे कठिन होता है।

मनोज बाजपेयी और उनकी 100वीं फिल्म

भैयाजी के बारे में मनोज वाजपेयी ने कहा, यह मेरे करियर की सौंवी फिल्म है, मुझे खुद ताज्जुब है कि मैंने 100 फिल्में कर ली हैं। फिल्म के बारे में मनोज ने बताया की यह कहानी तो मेरे पास काफी पहले से थी। जब डायरेक्टर ने यह कहानी सुनी तो कहा कि यह फिल्म मुझे बनानी है। उन्हें इस फिल्म को तमिल और तेलुगु फिल्म वाला तड़का देना था, तो मुझे लगा था कि वो इस फिल्म को किसी दूसरे स्टार के साथ बनाएंगे, लेकिन उन्होंने कहा कि मुझे इसमें आप चाहिए। उनकी जिद के कारण मैं इस फिल्म से जुड़ा। उन्होंने ही इस फिल्म में मुझे देसी सुपरस्टार की तरह दिखाया।